सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
"सत्य केवल उन लोगों के लिए कड़वा होता है.. जो लोग झूठ में रहने के आदि हो चुके है..!!"
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–139 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 08 जून 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग में खुलेगी डॉ. अंबेडकर चेयर केंद्रीय मंत्रालय से मिली स्वीकृति, प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बना

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग को सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय के डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन ने बड़ी उपलब्धि दी है। विश्वविद्यालय में डॉ. अंबेडकर चेयर की स्थापना के प्रस्ताव को सैद्धांतिक स्वीकृति मिल गई है। इसके साथ ही यह छत्तीसगढ़ का पहला विश्वविद्यालय बन गया है जिसे इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय शोध–पीठ की मंजूरी मिली है। फाउंडेशन के निदेशक मनोज तिवारी, आईपीएस ने 4 जून को कुलपति प्रो. संजय तिवारी को पत्र भेजकर स्वीकृति की जानकारी दी। पत्र में विश्वविद्यालय को इस शैक्षणिक पहल के लिए चुने जाने पर बधाई दी गई है।

सालाना 75 लाख का अनुदान मिलेगा

डॉ. अंबेडकर चेयर योजना के तहत विश्वविद्यालय को स्थापना के लिए 10 लाख रुपये एकमुश्त मिलेंगे। इसके अलावा शैक्षणिक कार्यों के लिए 20 लाख और वेतन व स्टाफ के लिए 55 लाख रुपये प्रतिवर्ष दिए जाएंगे। कुल वार्षिक आवंटन 75 लाख रुपये रहेगा। अतिरिक्त शोध के लिए 1 करोड़ रुपये का प्रतिस्पर्धी अनुदान भी मिल सकेगा।

पद और फैलोशिप

चेयर के तहत यूजीसी स्तर–14 का एक चेयर प्रोफेसर और स्तर–10 का एक सहायक प्राध्यापक पद 5 वर्ष के लिए स्वीकृत होगा। साथ ही 2 डॉक्टोरल फैलोशिप मिलेंगी। प्रत्येक फैलो को 35 हजार रुपये प्रतिमाह और एचआरए दिया जाएगा।

क्या होंगे काम

चेयर के माध्यम से शोध प्रकाशन, राष्ट्रीय संगोष्ठी, कायर्शाला, जागरूकता कार्यक्रम और पीएचडी कार्यक्रम संचालित होंगे। हर साल कम से कम दो यूजीसी–केयर सूचीबद्ध शोध पत्र और एक संपादित पुस्तक प्रकाशित करनी होगी। इसका उद्देश्य डॉ. बी आर अंबेडकर के सामाजिक न्याय, समता और संवैधानिक मूल्यों की दृष्टि को आगे बढ़ाना है।

देश के 24 संस्थानों में शामिल हुआ दुर्ग

अब तक बीएचयू वाराणसी, जेएनयू नई दिल्ली, कलकत्ता विश्वविद्यालय, आईआईपीए नई दिल्ली, आईआईएम विशाखापट्टनम समेत 24 संस्थानों में डॉ. अंबेडकर चेयर स्थापित हैं। अब हेमचंद यादव विश्वविद्यालय इस सूची में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द ही अपनी सहमति और विस्तृत प्रस्ताव फाउंडेशन को भेजेगा। इसके बाद औपचारिक एमओयू होगा। यह कदम छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा जगत के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है।

बिहार के 25 हजार के इनामी आरोपी को रायपुर से दबोचा, स्टील कंपनी में छिपकर कर रहा था काम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बिहार के जहानाबाद जिले के चर्चित आपराधिक मामले में फरार 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी अजय यादव को रायपुर ग्रामीण पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सिलतरा स्थित एक निजी स्टील कंपनी में पहचान छिपाकर काम कर रहा था। गिरफ्तारी के बाद उसे जहानाबाद पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

क्या है मामला

थाना महिला थाना, जहानाबाद में अपराध क्रमांक 35/2019 के तहत आरोपी अजय यादव पिता स्व. राम यादव, निवासी गोछिया, थाना परसबिगहा, जहानाबाद के खिलाफ धारा 457, 341, 323, 307, 379, 504, 376(डी), 427, 34 भादवि और आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत केस दर्ज है। घटना के बाद से आरोपी फरार था। पुलिस महानिरीक्षक मगध क्षेत्र गया ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

ऐसे पकड़ा गया आरोपी

तकनीकी विश्लेषण में आरोपी की लोकेशन रायपुर में मिली। इस पर जहानाबाद पुलिस की विशेष टीम रायपुर पहुंची। चौकी प्रभारी सिलतरा उपनिरीक्षक राजेन्द्र सिंह कंवर के नेतृत्व में संयुक्त टीम बनाई गई। जांच में पता चला कि आरोपी सिलतरा की एक स्टील कंपनी में काम कर रहा है। पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

कंपनी की लापरवाही उजागर

पूछताछ में सामने आया कि कंपनी प्रबंधन ने कमर्चारियों का पुलिस सत्यापन नहीं कराया था। इसी वजह से गंभीर अपराध का आरोपी यहां काम करता रहा। पुलिस ने कंपनी संचालक को नोटिस जारी करने की कारर्वाई शुरू कर दी है।

सभी उद्योगों को निर्देश

सिलतरा रायपुर ग्रामीण का प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है। यहां देशभर के हजारों श्रमिक काम करते हैं। पुलिस ने सभी उद्योगों को अपने कमर्चारियों का समयबद्ध पुलिस सत्यापन कराने के निर्देश दिए हैं। अवहेलना पर नियमानुसार कारर्वाई होगी।

कारर्वाई में शामिल टीम

रायपुर पुलिस से उपनिरीक्षक राजेन्द्र सिंह कंवर, परिवीक्षाधीन उपनिरीक्षक किशन लाल, सहायक उपनिरीक्षक रमेश शर्मा, आरक्षक राजकुमार चौबे और अर्जुन कुर्रे शामिल रहे। जहानाबाद पुलिस से उपनिरीक्षक सुरूचि शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक धनंजय कुमार, आरक्षक श्रीराम साहू, बंशी कुमार, मिन्टू कुमार और महिला आरक्षक कोमल कुमारी मौजूद थीं।

महासमुंद : कटहल की आड़ में 62 लाख का गांजा तस्करी, यूपी के दो तस्कर गिरफ्तार

रेहटीखोल चेकपोस्ट पर पिकअप से 125 किलो गांजा बरामद, वाहन समेत 70 लाख की जब्त

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

महासमुंद पुलिस ने गांजा तस्करों के एक और सीक्रेट प्लान को फेल कर दिया। पिकअप वाहन में कटहल के नीचे छिपाकर ले जाया जा रहा 125.700 किलो गांजा जब्त किया गया है। बरामद गांजे की कीमत 62 लाख 85 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने उत्तरप्रदेश के दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

ओडिशा से यूपी ले जा रहे थे गांजा

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक थाना सिंघोड़ा को सूचना मिली थी कि पिकअप क्रमांक वढ–70 छळ 0860 में कटहल के नीचे गांजा छिपाकर रेहटीखोल होते हुए उत्तरप्रदेश ले जाया जा रहा है। सूचना पर रेहटीखोल चेकपोस्ट पर जांच शुरू की गई। संदिग्ध वाहन को रोककर तलाशी ली गई।

4 बोरियों में मिला गांजा

पिकअप में कटहल के नीचे 4 प्लास्टिक बोरियों में 125.700 किलो गांजा मिला। पूछताछ में वाहन चालक धीरेंद्र कुमार गौतम उम्र 42 वर्ष निवासी करछना, प्रयागराज और साथी लवकुश गौतम उम्र 22 वर्ष निवासी बारा, प्रयागराज ने बताया कि गांजा जिला बलांगीर, ओडिशा से लेकर प्रयागराज, उत्तरप्रदेश में खपाने जा रहे थे।

70 लाख की संपत्ति जब्त

पुलिस ने 62.85 लाख का गांजा, 8 लाख का पिकअप वाहन और 8000 रुपये का मोबाइल जब्त किया। कुल जब्ती 70 लाख 93 हजार रुपये की है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (इ)(उ) के तहत थाना सिंघोड़ा में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की कारर्वाई

ओडिशा से लगे अंतरराज्यीय चेकपोस्ट के साथ अंदरूनी मार्गों पर भी एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स लगातार कारर्वाई कर रही है। पुलिस के मुताबिक एंबुलेंस से लेकर कटहल तक, तस्करों के हर सीक्रेट प्लान को महासमुंद पुलिस ने फेल किया है। यह कारर्वाई एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स व थाना सिंघोड़ा पुलिस की टीम ने की।

रायपुर में गांजा तस्करीः यूपी का आरोपी 6 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार

रायपुर। थाना गंज पुलिस ने एक्सप्रेस–वे चूनाभट्ठी पर गांजा तस्करी करते उत्तरप्रदेश के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 5 किलो 990 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। जप्त गांजे की कीमत लगभग 59,800 रुपये आंकी गई है। पुलिस उपायुक्त मध्य जोन उमेश प्रसाद गुप्ता के निर्देश पर नशे के कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। 06 जून को मुखबिर से सूचना मिली कि एक्सप्रेस वे चूनाभट्ठी में एक व्यक्ति डार्क ग्रे रंग के पिट्ठू बैग में गांजा लेकर ग्राहक तलाश रहा है। थाना गंज पुलिस ने घेराबंदी कर संदेही को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रामदास पिता स्व. चुन्नु, उम्र 39 साल, निवासी रतौली, थाना बिवांर, जिला हमीरपुर, उत्तरप्रदेश बताया। तलाशी में बैग से भूरा प्लास्टिक में लिपटा 1 पैकेट गांजा मिला। आरोपी ओडिशा से गांजा लाकर रायपुर में बेचने की फिराक में था। आरोपी के खिलाफ थाना गंज में अपराध क्रमांक 172/2026 धारा 20(बी) नारकोटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने 5 किलो 990 ग्राम गांजा जप्त किया है।

सिलयारी में नाबालिग मामले में पॉक्सो के तहत दो आरोपी गिरफ्तार, चौकी प्रभारी निलंबित

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने दोबारा जांच की, एसपी ने की कारर्वाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

धरसीवां थाना के चौकी सिलयारी क्षेत्र में नाबालिग बालिका से जुड़े मामले में रायपुर ग्रामीण पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत कारर्वाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में लापरवाही बरतने पर चौकी प्रभारी जितेन्द्र दुबे को निलंबित कर दिया गया है।

क्या है मामला

18 अप्रैल 2026 को बालिका के पिता ने सिलयारी चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग पुत्री 17 अप्रैल से लापता है। पुलिस ने धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। 18 अप्रैल को ही बालिका को दस्तयाब कर लिया गया। महिला पुलिस अधिकारी ने बयान दर्ज किए। बाल कल्याण समिति और न्यायालय के समक्ष भी बयान हुए। तब बालिका ने किसी अपराध से इनकार किया था। इसके बाद पुलिस ने प्रकरण खारिज करने का प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय भेजा था।

वीडियो वायरल होने पर दोबारा जांच

इसी बीच नाबालिग के दादा का एक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में कथित रूप से अपराध छुपाने के लिए पैसे लेने की बात सामने आई। इस पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने खारिजी प्रस्ताव को अस्वीकार कर दोबारा विवेचना के आदेश दिए। दोबारा बयान में अपराध होना पाए जाने पर पुलिस ने तत्काल दो आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में जुर्म कबूल करने पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

चौकी प्रभारी पर कारर्वाई

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि चौकी प्रभारी सिलयारी ने नाबालिग के अपहरण जैसे संवेदनशील मामले को केवल कानूनी नजरिए से देखा। स्थानीय और सामाजिक स्तर की सूचनाओं पर संज्ञान नहीं लिया गया। प्रकरण की गंभीरता के आंकलन में कमी पाए जाने पर चौकी प्रभारी जितेन्द्र दुबे को निलंबित कर दिया गया है। उन्हें पुलिस अधीक्षक कार्यालय में संबद्ध करते हुए प्रारंभिक जांच के आदेश दिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि प्रकरण में विवेचना जारी है। वायरल वीडियो की पुष्टि की जा रही है। जांच में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता मिलने पर पॉक्सो के तहत कारर्वाई की जाएगी।

योग से स्वस्थ जीवन और सकारात्मक सोच का दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पतंजलि योग समिति, हरिद्वार के शिष्यों द्वारा कान्हा पार्क योग ग्रुप के तत्वावधान में बीरा जी के अंगना, कोहका में निःशुल्क योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू अपनी माता के साथ सम्मिलित हुए।

योग है स्वस्थ जीवन की कुंजी

शिविर में प्रशिक्षकों ने बताया कि नियमित योग से शरीर स्वस्थ, मन शांत और विचार सकारात्मक होते हैं। योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है। यह तनाव कम करता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और मानसिक संतुलन बनाए रखता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में योग हर उम्र के व्यक्ति के लिए जरूरी है।

जन–जन तक पहुंचा संदेश

प्रशिक्षण के दौरान प्राणायाम, आसन और ध्यान के सरल तरीकों का अभ्यास कराया गया। शिविर का उद्देश्य योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, मानसिक संतुलन और सकारात्मक सोच का संदेश घर–घर पहुंचाना था। उपस्थित लोगों ने प्रतिदिन योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया। इंद्रजीत सिंह छोटू ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अनमोल देन है। इसे अपनाकर हम शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बन सकते हैं। समाज के हर वर्ग को योग से जुड़ना चाहिए। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, महिलाओं और युवाओं ने भाग लिया।

दुर्ग में जुआ फड़ पर पुलिस की दबिश, 15 गिरफ्तार, 4.34 लाख की संपत्ति जप्त

मंकी रिजॉर्ट के पीछे चल रहा था जुआ, नकदी, 12 बाइक और 19 मोबाइल बरामद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पुलगांव पुलिस ने मंकी रिजॉर्ट गोकुलधाम के पीछे चल रहे जुआ फड़ पर दबिश देकर 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 1.82 लाख नकद, 12 मोटरसाइकिल, 19 मोबाइल और ताश की 52 पत्ती जप्त की गई है। कुल जप्ती 4.34 लाख रुपये की है।

सूचना पर की गई कार्रवाई

थाना पुलगांव पुलिस को सूचना मिली थी कि मंकी रिजॉर्ट के पीछे कुछ लोग अवैध रूप से जुआ खेल रहे हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और रेड कार्रवाई में 15 लोगों को जुआ खेलते पकड़ा।

आरोपियों पर केस दर्ज

सभी आरोपियों के खिलाफ थाना पुलगांव में अपराध क्रमांक 530/2026 धारा 3, 4 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी अवैध आर्थिक लाभ के लिए जुआ खेल रहे थे।

गिरफ्तार आरोपी

गिरफ्तार आरोपियों में सोनू चौहान डिपरापारा, फिरोज खोखर कसारीडीह, शब्बीर खान तकियापारा, मोहम्मद जावेद तकियापारा, मोहम्मद जुनैद तमेरपारा, पारस चंद्राकर बोरसी, अजीम अहमद

तकियापारा, मोहम्मद जमील गंजपारा, एकांत साहू केलाबाड़ी, जमील खान केलाबाड़ी, शिवा साहू कसारीडीह, मृत्युंजय चंद्राकर कसारीडीह, साहिद लुचकीपारा, चंद्रपाल यादव कसारीडीह और प्रकाश देवांगन केलाबाड़ी शामिल हैं।

जप्त सामग्री

पुलिस ने 1,82,000 रुपये नकद, 52 पत्ती ताश, 12 मोटरसाइकिल कीमत 1,80,000 रुपये, 17 टच स्क्रीन मोबाइल कीमत 68,000 रुपये और 2 कीपैड मोबाइल कीमत 4,000 रुपये जप्त किए हैं।

दुर्ग पुलिस ने आम लोगों से जुआ और सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों से दूर रहने की अपील की है। ऐसी गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को देने को कहा गया है।

खास खबर

अंडर-9 एवं अंडर-17 शतरंज चैंपियनशिप में तुषार, मान्या, शिल्प एवं इशिका बने जिला चैम्पियन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन, प्रदेश शतरंज संघ के महासचिव विनोद राठी के मार्गदर्शन तथा खालसा एजुकेशन सोसायटी के सहयोग से खालसा कॉलेज में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय अंडर-9 एवं अंडर-17 शतरंज चैंपियनशिप का भव्य समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त रजिस्ट्रार जनरल नीलम चंद सांखला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी कैलाश जैन 'बरमेचा' ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेविका श्रीमती मंजू जैन 'बरमेचा' की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत एवं सचिव तुलसी सोनी ने प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में दुर्ग जिले के कुल 88 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता छह चक्रों में संपन्न हुई, जिसमें खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, एकाग्रता एवं रणनीतिक कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंडर-9 ओपन वर्ग में तुषार यादव ने विजेता ट्रॉफी जीतकर जिला चैम्पियन बनने का गौरव प्राप्त किया। मेधांश सोरी उपविजेता रहे, जबकि रेयांश गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-9 बालिका वर्ग में मान्या मौयिर्का जिला चैम्पियन बनीं। शांभवी शर्मा उपविजेता रहीं तथा आन्या सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अंडर-17 ओपन वर्ग में शिल्प कुमार घोड़ेसवार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्हें 2,000 रुपये नगद एवं विजेता ट्रॉफी प्रदान की गई। शुभम सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 1,500 रुपये नगद एवं उपविजेता ट्रॉफी हासिल की, जबकि चेतस माण्डले को तृतीय स्थान के लिए 1,000 रुपये नगद एवं ट्रॉफी प्रदान की गई।अंडर-17 बालिका वर्ग में इशिका ने जिला चैम्पियन बनने का गौरव प्राप्त किया उन्हें 2 हजार रुपए नगद एवं विजेता ट्रॉफी तथा द्वितीय स्थान पर रही परिधि लिलहारे को 15 सौ रुपए नगद एवं उपविजेता ट्रॉफी प्रदान किया गया। तृतीय स्थान पर रही काशवी जैन को 1 हजार रूपए नगद एवं ट्रॉफी प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को मेडल एवं ई-सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। स्पर्धा में दोनों वर्गों में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले ओपन एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ी राज्य शतरंज चैंपियनशिप में दुर्ग जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मछुआरा समाज के उत्थान के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : सीएम विष्णुदेव साय

हसदेव-बांगो में 37 करोड़ का एक्वा पार्क, मत्स्य पालकों को 5 लाख का बीमा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार मछुआरा समाज के आर्थिक और सामाजिक उत्थान के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। वे शनिवार को सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में राष्ट्रीय मछुआरा संघ के विधानसभा पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह और समाजिक प्रगति चिंतन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

विजन 2047 पर काम कर रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास मंत्र पर प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। छत्तीसगढ़ सरकार ने भी विकसित भारत के लक्ष्य के साथ विजन डॉक्यूमेंट 2047 तैयार किया है।

मत्स्य क्षेत्र में बड़े प्रोजेक्ट

सीएम ने बताया कि हसदेव-बांगो जलाशय में 37 करोड़ रुपये की लागत से एक्वा पार्क बनाया जा रहा है। इससे मछली उत्पादन, प्रोसेसिंग, निर्यात और मत्स्य पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। दुधवा जलाशय में वैज्ञानिक तरीके से तिलापिया और पंगास मछली का पालन किया जा रहा है। मत्स्य सहकारी समितियों के सदस्यों को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क दुर्घटना बीमा दिया जा रहा है। उत्कृष्ट मत्स्य पालकों को हर साल राज्योत्सव में बिलासा देवी केंवट सम्मान से सम्मानित किया जाता है।

गंगरेल डूबान क्षेत्र में फिर शुरू होगा मछली पालन

मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगरेल डूबान क्षेत्र समिति को ठेका पद्धति समाप्त कर फिर से मछली पालन की अनुमति दी गई है। मछली पालन किसानों के लिए लाभकारी व्यवसाय है और सरकार इसके विस्तार के लिए हर संभव मदद कर रही है।

जल्द शुरू होगी मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

सीएम ने बताया कि सुशासन तिहार के तहत अब तक 31 जिलों का दौरा कर योजनाओं का निरीक्षण किया गया है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन जल्द शुरू करने की घोषणा भी की।

मत्स्य पालन की अपार संभावनाएं: नेताम

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि प्रदेश में मत्स्य पालन की अपार संभावनाएं हैं। सरकार मत्स्य पालकों के हितों की रक्षा के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि काम में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी।

नानी अम्मा के उर्स में शामिल हुए जायरीन, चादरपोशी के साथ हुआ लंगर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

ताज दरबार कैंप एक भिलाई में इस वर्ष हजरत नानी अम्मा रहमतुल्ला अलैहि का 20 वां उर्स पाक पूरी शानो शौकत के साथ मनाया गया। हर साल की तरह इस साल भी सैकड़ों की संख्या में जायरीन शामिल हुए और उन्होंने चादरपोशी की रस्म अदा की संदल चादर पेश की।

लोगों ने खैर और बरकत की दुआएं मांगी। इसके बाद फातिहा ख्वानी की गई।

जिसमें सैकड़ों की तादाद में लोगों ने लंगर में भागीदारी दी। ताज दरबार की खिदमत गुजार एवं हजरत नानी अम्मा कल्याण समिति की अध्यक्ष हज्जन बदरुन्निसा ताजी और गद्दी नशीन मोहम्मद सादिक ताजी ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी बड़ी तादाद में लोगों ने शिरकत की।

राष्ट्रीय कायाकिंग-केनोईंग स्पर्धा का मस्कट पहाड़ी मैना जारी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को राजधानी स्थित निवास कार्यालय में 36वीं राष्ट्रीय सब जूनियर एवं जूनियर कायाकिंग-केनोईंग प्रतियोगिता के मस्कट ह्यपहाड़ी मैनाह्म का विमोचन किया। इस मौके पर उन्होंने आयोजकों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

खेल पहचान को मिलेगी मजबूतीः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर देने के लिए लगातार काम कर रही है। खेल सिर्फ प्रतिस्पर्धा नहीं, अनुशासन, नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास का सशक्त आधार हैं। प्रदेश में खेल अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा दिखाने के मौके दिए जा रहे हैं। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को नई प्रेरणा देगी और राज्य की खेल पहचान को मजबूत बनाएगी।

नवा रायपुर में होगा आयोजन

छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग-केनोईंग एसोसिएशन द्वारा भारतीय कायाकिंग-केनोईंग संघ और छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के संयुक्त तत्वावधान में 36वीं राष्ट्रीय सब जूनियर एवं जूनियर कायाकिंग-केनोईंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता 12 से 14 जून 2026 तक नवा रायपुर स्थित सेंध लेक में होगी। कायाकिंग-केनोईंग एक ओलम्पिक खेल है। इसमें छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीते हैं। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता की मेजबानी राजधानी में होना प्रदेश के खेल इतिहास के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया, भारतीय कायाकिंग-केनोईंग महासंघ एवं प्रदेश एसोसिएशन के सहसचिव प्रशांत सिंह रघुवंशी समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

सीए केवल वित्तीय सलाहकार नहीं, व्यवसायों के भरोसेमंद मार्गदर्शक : डेका

राष्ट्रीय सीए छात्र सम्मेलन में बोले : भरोसा और गोपनीयता ही इस पेशे की सबसे बड़ी पूंजी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट केवल खातों और कर सलाह देने वाले पेशेवर नहीं हैं, बल्कि वे व्यवसायों को सही दिशा दिखाने वाले भरोसेमंद मार्गदर्शक भी हैं। वे रविवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सीए छात्र सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

लेखांकन रीढ़ की हड्डी की तरहः राज्यपाल

राज्यपाल ने कहा कि किसी भी व्यवसाय की सफलता में लेखांकन की भूमिका रीढ़ की हड्डी जैसी है। बदलते समय के साथ इसकी जिम्मेदारियां और व्यापक हो गई हैं। देश के विकास के लिए कर राजस्व बेहद जरूरी है। सीए पात्र नागरिकों को कर भुगतान के लिए प्रेरित करें। जटिल प्रक्रियाओं से वरिष्ठ नागरिकों को परेशानी होती है। कर प्रणाली को और सरल बनाना चाहिए।

एआई मानव मस्तिष्क की जगह नहीं ले सकता

राज्यपाल ने कहा कि भारत में रोजगार सृजन का सबसे बड़ा आधार छोटे व्यवसाय और उद्यमी हैं। लघु और मध्यम उद्योग आर्थिक प्रगति में अहम योगदान दे रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग सकारात्मक कार्यों के लिए हो। एआई मानव मस्तिष्क की जगह नहीं ले सकता, बल्कि उसे बेहतर बनाने का माध्यम बन सकता है।

डिजिटल लत पर जताई चिंता

युवाओं को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने मोबाइल और सोशल मीडिया के अधिक उपयोग पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि डिजिटल लत सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित करती है। दुनिया के कई देशों में 16 वर्ष से कम बच्चों के मोबाइल उपयोग पर विशेष प्रतिबंध हैं।

भरोसा ही सीए की ताकत

सीए विद्यार्थियों से राज्यपाल ने कहा कि इस पेशे की सबसे बड़ी ताकत विश्वास और गोपनीयता है। ग्राहक का भरोसा ईमानदारी और नैतिक मूल्यों पर निर्भर करता है। सीए बनने के बाद कई अवसर मिलेंगे। उत्साह और समर्पण से आगे बढ़ें। जीवन में कम से कम एक ऐसा काम करें जो समाज के हित में हो।

स्मारिका का विमोचन

कार्यक्रम में एक स्मारिका का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन का आयोजन आईसीएआई रायपुर शाखा और सिकासा के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। देशभर से एक हजार से अधिक सीए विद्यार्थी शामिल हुए। इस अवसर पर आईसीएआई बोर्ड ऑफ स्टडीज के अध्यक्ष सीए राजेश शर्मा, उपाध्यक्ष सीए ज्ञान चंद्र मिश्रा, रायपुर आईसीएआई मैनेजिंग कमेटी की चेयरपर्सन सीए रश्मि वर्मा समेत अन्य पदाधिकारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

जांजगीर चांपा में तीन गांवों की महिला कमांडो टीम गठित, नशा मुक्ति और साइबर जागरूकता की कमान

एसपी विजय पाण्डेय की पहलः कोरबी, डोंगरी और काटापाली की महिलाएं बनेंगी जनजागरूकता की कड़ी

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर चांपा

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय की पहल पर बलौदा क्षेत्र के ग्राम कोरबी, डोंगरी और काटापाली में एक साथ महिला कमांडो टीम का गठन किया गया। शुक्रवार को ग्राम डोंगरी में नशा मुक्ति एवं साइबर जनजागरूकता का विशेष कार्यक्रम आयोजित कर टीम बनाई गई।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में कदम

एसपी विजय पाण्डेय ने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महिलाओं की भूमिका सबसे अहम है। महिला कमांडो टीम गांव-गांव में जनजागरूकता की मजबूत कड़ी बनेगी। टीम नशे के विरुद्ध अभियान, साइबर अपराधों से बचाव, महिला एवं बाल संरक्षण और सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन के लिए काम करेगी।

जनसहभागिता से ही संभव है मुकाबला

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि साइबर अपराध और नशा समाज के लिए गंभीर चुनौती है। इनका मुकाबला केवल पुलिस के प्रयासों से नहीं, जनसहभागिता से ही संभव है। टीम सदस्य अपने गांवों में लोगों को जागरूक करेंगे, संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाएंगे और महिलाओं को अधिकारों व सुरक्षा उपायों के प्रति सजग बनाएंगे।

कार्यक्रम में महिला कमांडो टीम की भूमिका और कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। महिलाओं को साइबर ठगी, ऑनलाइन फ्रॉड, डिजिटल सुरक्षा, नशे के दुष्परिणाम, घरेलू हिंसा, महिला सुरक्षा कानून और बाल संरक्षण के बारे में बताया गया। इस अवसर पर बलौदा थाना प्रभारी निरीक्षक मनोहर सिन्हा, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और बड़ी

धान छोड़ मक्का की खेती से मालामाल हुए किसान, 5 करोड़ से अधिक की खरीदी

605 किसानों ने 1763 एकड़ में की पॉपकॉर्न मक्का की खेती, अनुबंध खेती से बढ़ी आय

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में ग्रीष्मकालीन धान के बदले मक्का की खेती किसानों के लिए फायदे का सौदा साबित हो रही है। गौरमेड पॉपकॉर्न कंपनी के साथ अनुबंध खेती करने वाले 605 किसानों से कंपनी ने 5 करोड़ रुपये से अधिक का पॉपकॉर्न मक्का खरीदा है। इससे किसानों की आय में बड़ा इजाफा हुआ है।

1763 एकड़ में हुई खेती

रबी वर्ष 2025-26 में गौरमेड पॉपकॉर्न कंपनी ने जिले के 605 किसानों के साथ अनुबंध कर 1763 एकड़

में पॉपकॉर्न मक्का की खेती कराई। किसानों को औसतन 19.33 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन मिला। कंपनी ने 1700 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 5 करोड़ रुपये से अधिक का मक्का खरीदा। इसमें से 3.73 करोड़ रुपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। शेष भुगतान की प्रक्रिया जारी है।

इन किसानों ने बनाए कीतिर्मान

छुरिया के ग्राम भरीटोला के किसान ललित कुमार साहू ने 23.56 एकड़ में पॉपकॉर्न मक्का की खेती कर जिले में सर्वाधिक क्षेत्र में उत्पादन किया। उन्हें 6 लाख 95 हजार रुपये से अधिक की आय हुई। राजनांदगांव के किसान वेद प्रकाश चंद्राकर ने 9.5 एकड़ में 32.66 क्विंटल प्रति एकड़ का उत्कृष्ट उत्पादन कर 5 लाख 27 हजार रुपये से अधिक कमाए। ग्राम जमलेश्वर के देवराम पटेल ने 35.5 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन से 4 लाख 67 हजार रुपये की आमदनी की।

जल संरक्षण को भी बढ़ावा

कृषि विभाग के अनुसार धान के स्थान पर मक्का जैसी वैकल्पिक फसलों से किसानों को अधिक लाभ के साथ जल संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता और फसल विविधीकरण को भी बढ़ावा मिल रहा है। जिले के किसानों की यह सफलता अन्य किसानों को भी फसल चक्र परिवर्तन के

लिए प्रेरित कर रही है।

दुर्ग में जिला स्तरीय परामशर्दात्री समिति की बैठक, 15 जून तक पीएम स्वनिधि के लंबित आवेदन निपटाने के निर्देश

कलेक्टर ने बैंकों और विभागों को समन्वय बनाकर योजनाओं का लक्ष्य पूरा करने को कहा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में 6 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामशर्दात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक हुई। बैठक में शासकीय योजनाओं की विभागवार और बैंकवार समीक्षा की गई।

प्रगति कम वाले विभागों को निर्देश

कलेक्टर ने जिन विभागों की योजनाओं की प्रगति कम पाई गई, उन्हें वित्तीय वर्ष में काम पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों और बैंकों के बीच समन्वय बनाकर जिले में चल रही योजनाओं के लक्ष्य पूरे करने को कहा।

पीएम स्वनिधि पर सख्ती

बैठक में सीडी रेशियो, प्राथमिकता क्षेत्र के लोन, जनसुरक्षा योजना, बीमा, पेंशन और शासकीय योजनाओं के लंबित आवेदनों पर चर्चा हुई। दुर्ग, भिलाई, रिसाली, भिलाई चरौदा नगर निगम के कमिश्नरों की मौजूदगी में पीएम स्वनिधि योजना की बैंकवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने 15 जून तक सभी लंबित आवेदन निराकृत कर पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश दिए।

इन योजनाओं की भी समीक्षा

पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना, पीएम एफएमई, पीएम ईजीपी, खादी ग्रामोद्योग, पीएम अजय योजना, अंत्यावसायी विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, मछली पालन और पशु पालन की योजनाओं के बैंकों में लंबित आवेदनों की प्रगति और शिकायतों की भी समीक्षा हुई।

बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक से एलडीओ सदानंद बास्की, जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक संजय गर्ग, नाबार्ड से अंशु गोयल, बैंक ऑफ बड़ौदा आरसेटी निदेशक गुलशन कुमार, एफएलसी दुर्ग लेखराम ध्रुव, सीईओ अंत्यावसायी आदर्श साव, डीपीएम एनआरएलएम सागर पंसारी समेत बैंकों के जिला समन्वयक, शाखा प्रबंधक और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

रिपोर्ट लिखाने की बात पर भड़का साला, जीजा के घर में लगाई आग

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

चौकी चिखली क्षेत्र में एक साला ने अपने जीजा से मारपीट के बाद रिपोर्ट लिखाने की बात पर नाराज होकर उसके घर में आग लगा दी। पुलिस ने आरोपी को ग्राम बोरी से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

गाली-गलौज से शुरू हुआ विवाद

प्रार्थी ने 06 जून को चौकी चिखली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मोहल्ले में बैठकर बातचीत कर रहा था। इसी दौरान उसका साला रिस्ता नेताम शराब के नशे में आया और मां-बहन की अश्लील गाली देने लगा। मना करने पर आरोपी ने हाथ-मुक्के से मारपीट की और गाल में नुकीली चीज से वार कर घायल कर दिया।

रिपोर्ट लिखाने जाते ही लगाई आग

प्रार्थी जब रिपोर्ट लिखाने चौकी चिखली आ रहा था, उसी दौरान आरोपी रिस्ता नेताम ने उसके घर में आग लगा दी। रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 326(जी) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

बोरी से पकड़ा गया आरोपी

मामला गंभीर होने पर पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में टीम गठित की गई। चौकी चिखली पुलिस ने आरोपी रिस्ता गोंड़ पिता स्व. तुलसीराम गोंड़, उम्र 27 साल, निवासी ग्राम बोरी को अभिरक्षा में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया। उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया। कारर्वाई में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कैलाश चन्द्र मरई, उनि सत्तुलाल कवंर, आरक्षक सुनील बैरागी, चन्द्रकपूर आयाम, गोपाल पैकरा, आदित्य सोलंकी और चौकी चिखली स्टाफ की अहम भूमिका रही।

रौंदा सहकारी समिति में 15 लाख रुपए के धान-बोरे का गबन, प्रभारी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

धमधा थाना क्षेत्र की सेवा सहकारी समिति मर्यादित रौंदा में 15 लाख रुपये से अधिक के धान और बारदाना गबन के मामले में पुलिस ने समिति प्रभारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

जांच में खुला घोटाला

खाद्य विभाग, सहकारिता विभाग और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की संयुक्त टीम ने रौंदा समिति का आकस्मिक निरीक्षण और भौतिक सत्यापन किया। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समिति ने 73,952.80 क्विंटल धान का उपार्जन

किया था। जांच में अभिलेखों के अनुसार उपलब्ध धान की तुलना में 560.28 क्विंटल धान और 2103 नग नया बारदाना कम पाया गया। इसकी कुल कीमत 15,08,161 रुपये आंकी गई।

केस दर्ज कर हुई गिरफ्तारी

जांच रिपोर्ट के आधार पर थाना धमधा में अपराध क्रमांक 136/2026 धारा 316(5), 318(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत केस दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान गवाहों के कथन और दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर समिति प्रभारी जगदीश कुमार नवरंगे, उम्र 60 वर्ष, निवासी पेंड्रावन को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में शासकीय संपत्ति की हेराफेरी के तथ्य सामने आने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

दस्तावेज जप्त

पुलिस ने धान खरीदी और भंडारण संबंधी दस्तावेज, जांच प्रतिवेदन और अन्य साक्ष्य जप्त किए हैं। दुर्ग पुलिस ने शासकीय संपत्ति और सहकारी संस्थाओं में अनियमितता की जानकारी तुरंत पुलिस या संबंधित विभाग को देने की अपील की है।

राजनांदगांव में अवैध शराब के साथ आदतन आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कारर्वाई करते हुए आदतन आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 17 पौवा देशी प्लेन शराब जप्त की गई है।

बिजली ऑफिस के पास पकड़ा गया आरोपी

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत 06 जून को मुखबिर की सूचना पर राम नगर बिजली ऑफिस के पास रेड की गई। घेराबंदी कर आरोपी डोमेन्द्र लोन्हारे पिता स्व. भंवरलाल लोन्हारे, उम्र 25 साल, निवासी राम नगर पॉवर राजनांदगांव को पकड़ा गया।

3 लीटर से अधिक शराब बरामद

आरोपी के कब्जे से रोमियों ब्रांड के 17 पौवा देशी प्लेन शराब, मात्रा 3.060 बल्क लीटर, कीमत 1360 रुपये

जप्त की गई। आरोपी के खिलाफ धारा 34 (1) आबकारी एक्ट के तहत कारर्वाई की गई। आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड डोमेन्द्र लोन्हारे आदतन आरोपी है। उसके खिलाफ पहले से थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 293/19 धारा 294, 324, 506 भादवि, अपक्र 446/22 धारा 34 (1) आबकारी एक्ट, अपक्र 228/24 धारा 34 (1) आबकारी एक्ट और इस्तगासा क्रमांक 109-506/23 धारा 151/107, 116 (3) जा.फौ. के मामले दर्ज हैं। पुलिस ने कहा कि असामाजिक तत्वों और अवैध शराब बिक्री में लिप्त लोगों के खिलाफ कारर्वाई जारी रहेगी। इस कारर्वाई में थाना प्रभारी निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह, प्रआर संदीप चौहान और आरक्षक नामदेव नागवंशी की अहम भूमिका रही।

भुवनेश्वर में छत्तीसगढ़ पर्यटन का रोड शो, ओडिशा के साथ बढ़ेगा पर्यटन सहयोग

जनजातीय संस्कृति और निवेश संभावनाओं का प्रदर्शन, पर्यटन उद्योग ने दिखाई रुचि

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल ने फिक्की के साथ मिलकर भुवनेश्वर के मेफेयर कन्वेंशन सेंटर में भव्य छत्तीसगढ़ पर्यटन रोड शो का आयोजन किया। रोड शो में छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, पुरातात्विक धरोहर, आध्यात्मिक स्थल, जलप्रपात, वन्यजीव अभ्यारण्य और लोक कला को आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया गया।

निवेश-नए पर्यटन उत्पादों पर चर्चा

कार्यक्रम में पर्यटन निवेश, नए पर्यटन उत्पादों और व्यावसायिक अवसरों पर जानकारी दी गई। टूर ऑपरेटर्स, होटल व्यवसायियों, ट्रैवल एजेंट्स, मीडिया और दोनों राज्यों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। मकसद ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बीच पर्यटन सहयोग मजबूत करना था।

संयुक्त पर्यटन गतिविधियों पर जोरः नीलू शर्मा

पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने ओडिशा के टूर ऑपरेटर्स और होटल व्यवसायियों को छत्तीसगढ़ आने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास के लिए निजी क्षेत्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। संयुक्त पर्यटन आयोजनों से क्षेत्रीय पर्यटन को नई गति मिलेगी। ओडिशा में खुलेगा पर्यटन कार्यालयः भारती दासन पर्यटन सचिव एस. भारती दासन ने कहा कि सरकार सतत और अनुभव आधारित पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। नई दिल्ली, कोलकाता, वडोदरा और भोपाल में पर्यटन सूचना केंद्र स्थापित हैं। जल्द ही ओडिशा में भी छत्तीसगढ़ पर्यटन का कार्यालय खोला जाएगा।

बी-टू-बी सत्र में हुई साझेदारी पर बात

प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने बताया कि पर्यटन बोर्ड अधोसंरचना मजबूत कर रहा है। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ बी-टू-बी नेटवर्किंग सत्र भी हुआ। इसमें संयुक्त पर्यटन पैकेज और व्यवसायिक साझेदारी पर चर्चा हुई। ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी उद्योग के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ को सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और एडवेंचर पर्यटन के लिए आकर्षक गंतव्य बताते हुए रुचि दिखाई। नेटवर्किंग डिनर के साथ आयोजन का समापन हुआ।

सत्ता-प्रशासन के मनोवैज्ञानिक संघर्ष के बीच न फंसे सुशासन की डगर

- आशीष मिश्रा

छत्तीसगढ़ अपनी सामाजिक सौहार्द, सरलता और संवेदनशील प्रशासनिक संस्कृति के लिए पहचाना जाता रहा है, लेकिन हाल के दिनों में अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच बढ़ते टकराव चिंता का विषय बन गए हैं। सरगुजा जिले के सीतापुर क्षेत्र में नायब तहसीलदार और विधायक के बीच हुए विवाद के बाद प्रदेशभर के तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों का आंदोलन तथा राजस्व कार्यों का प्रभावित होना इस तनावपूर्ण स्थिति का बड़ा उदाहरण है। यह केवल प्रशासनिक विवाद नहीं, बल्कि एक गहरा मनोवैज्ञानिक संघर्ष भी है। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं को शीघ्र पूरा करने के दबाव में रहते हैं, जबकि अधिकारी नियमों और प्रक्रियाओं के दायरे में निर्णय लेते हैं। जब अपेक्षा और प्रक्रिया के बीच दूरी बढ़ती है, तब असंतोष जन्म लेता है। यही असंतोष कई बार सार्वजनिक टकराव का रूप धारण कर लेता है।

मानव-मनोविज्ञान के अनुसार शक्ति और अधिकार व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित करते हैं। कई नगर निगमों , जिला पंचायतों में निर्वाचित जनप्रतिनिधि जहां अपने अधिकारों की लक्ष्मण रेखा लांघने की चूक करते सिस्टम को आत्म केंद्रित करने की गलती करते दिख रहे हैं वहीं आवेश में आपा खो देने वाले एक सांसद बीच सड़क में भद्दी गालियों की खुले आम बौछार करने जैसा अमर्यादित व्यवहार कर एंग्रीयंगमैन की छवि चमकाने की जुगाड़ में ये भूल जा रहे है कि इनकी इन भाव भंगिमाओं से पूरे प्रदेश में अराजकता को बढ़ावा मिल रहा है । ऐसे में जब किसी लोक सेवक को यह लगता है कि उसकी प्रतिष्ठा, भूमिका या प्रभाव को अकारण चुनौती दी जा रही है, तो उसकी भी प्रतिक्रिया आक्रामक या रक्षात्मक हो सकती है। यही कारण है कि सामान्य प्रशासनिक असहमति भी कई बार अहं और प्रतिष्ठा के संघर्ष में बदल जाती है। हाल ही में एक अधिकारी और राजनीतिक नेता के बीच सार्वजनिक बहस के बाद हुई कार्रवाई ने भी इस संवेदनशील स्थिति को उजागर किया है। सोशल मीडिया के दौर में यह समस्या और गंभीर हो गई है। छोटी घटनाएं भी कुछ ही मिनटों में राजनीतिक और सामाजिक बहस का विषय बन जाती हैं। ऐसे में निर्णय कई बार विवेक से अधिक सार्वजनिक छवि बचाने के दबाव में लिए जाते हैं। छत्तीसगढ़ जैसे युवा राज्य के लिए आवश्यक है कि राजनीति और प्रशासन दोनों संवाद, धैर्य और पारस्परिक सम्मान की संस्कृति को मजबूत करें। सुशासन शक्ति प्रदर्शन से नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, जवाबदेही और सहयोग से स्थापित होता है। जब अहंकार पर संवाद की विजय होती है, तभी लोकतंत्र और विकास दोनों मजबूत होते हैं।बेहतर होगा कि स्थापित बड़े राजनेता अपने समर्थकों को मर्यादित व्यवहार के साथ जनता से जुड़ने की सीख दें वहीं शीर्षस्थ अधिकारी अपने मातहतों को जनता और जन प्रतिनिधियों के सम्मान के सेतुबंध के तौर पर गरिमा पूर्ण आचरण का संदेश दें क्योंकि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है जिनकी सेवा का लक्ष्य सभी का परम धर्म है ।

कांग्रेस की चुनौतियां

कुबूल अहमद

केरलम की जंग फतह करने और कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने के साथ ही कांग्रेस एक बेहद नाजुक मोड़ पर खड़ी है। कांग्रेस बड़े पैमाने पर संगठनात्मक बदलाव करने की तैयारी कर रही है और पार्टी का पूरा फोकस उत्तर प्रदेश और पंजाब पर है। इन दोनों ही राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, जहां कांग्रेस के सामने सियासी चुनौती जस की तस बनी हुई है। पंजाब में जहां कांग्रेस के सामने खोए हुए सियासी आधार को वापस पाने की चुनौती है, तो उत्तर प्रदेश में शून्य से उठकर अपने वजूद को साबित करने के साथ ही 2024 में मिली जीत के राजनीतिक माहौल को बनाए रखने की है। पंजाब में चुनौती अपनों को संभालने की है, तो उत्तर प्रदेश में चुनौती खुद को जिंदा रखने की है। उत्तर प्रदेश और पंजाब दोनों ही कांग्रेस के लिए सियासी रूप से काफी अहम हैं। पंजाब- जहां हाल ही में नगर निकाय चुनाव के नतीजे आए हैं और 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बिसात अभी से बिछने लगी है। ये दोनों राज्य कांग्रेस के लिए दो अलग-अलग तरह की कठिन राजनीतिक कुरुक्षेत्र बने हुए हैं।

कांग्रेस 2029 के लोकसभा चुनावों के लिए अभी से कमर कस रही है। इसी कड़ी में कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों की कुर्सी बदली जा सकती है। इस लिस्ट में पंजाब से कर्नाटक तक बदलाव की तैयारी है। इसके अलावा यूपी और राजस्थान को लेकर भी चर्चा तेज है। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस का पूरा फोकस पंजाब और उत्तर प्रदेश पर रहने वाला है। पंजाब के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को पद से हटाए जाने की चर्चा है। हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन काफी खराब रहा। इसके चलते राज्य इकाई में गुटबाजी काफी बढ़ गई है। कांग्रेस हाईकमान नहीं चाहता कि चुनाव से पहले यह विवाद और ज्यादा बढ़े। ऐसे में जल्द एक्शन लिया जा सकता है। इसके अलावा यूपी में भी अगले साल चुनाव है, जिसे लेकर सियासी सरगर्मी तेज है।पंजाब कभी कांग्रेस का अभेद्य गढ़ माना जाता था, लेकिन 2022 में आम आदमी पार्टी की प्रचंड लहर ने उसे सत्ता से बेदखल कर दिया था। दिल्ली की सत्ता से आम आदमी पार्टी के बाहर होने के बाद कांग्रेस को अपनी वापसी की उम्मीदें जागी थीं। पंजाब में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों की बगावत ने कांग्रेस के हौसले बुलंद कर दिए थे, लेकिन नगर निकाय चुनावों के नतीजों ने कांग्रेस के सियासी ख्वाबों को एक बार फिर हरा कर दिया है। पंजाब में कांग्रेस के सामने कई चुनौतियां हैं। सबसे बड़ी चुनौती- पंजाब कांग्रेस की सबसे बड़ी दुश्मन कोई दूसरी पार्टी नहीं, बल्कि उसकी अपनी अंदरूनी गुटबाजी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के बीच वर्चस्व की जंग जगजाहिर है। निकाय चुनावों में जहां राजा वड़िंग के अपने गढ़ गिदड़बाहा में कांग्रेस को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी, जहां आप ने 19 में से 17 वार्ड जीत लिए हैं। वहीं, चरणजीत सिंह चन्नी ने चमकौर साहिब और मोरिंडा में कांग्रेस को जीत दिलाकर आलाकमान के सामने प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए अपना दावा मजबूत कर दिया है। 2022 में कांग्रेस की हार की एक बड़ी वजह आपसी गुटबाजी रही थी, जिसकी बीमारी से कांग्रेस अभी तक निजात नहीं पा सकी। चरणजीत सिंह चन्नी, सुखपाल खैरा, प्रताप सिंह बाजवा और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग जैसे बड़े नेताओं के मनमुटाव के चलते कांग्रेस का माहौल खराब हो गया। कांग्रेस इसी गुटबाजी के चलते हरियाणा में जीती चुनावी बाजी हार गई थी। पंजाब में कांग्रेस की सियासी जड़ें काफी गहरी हैं और जमीनी स्तर पर संगठन मजबूत है। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के लगातार कमजोर होने और आप विरोधी वोटों का सबसे स्वाभाविक झुकाव कांग्रेस की तरफ हो सकता है। 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पंजाब की 13 सीटों में से 7 संसदीय सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब रही थी, जबकि सत्ता में होने के बावजूद आम आदमी पार्टी को केवल 3 सीटें मिली थीं। इससे माना जा रहा था कि कांग्रेस ने राज्य में अपनी पकड़ दोबारा मजबूत की है। किसी भी राज्य में 5 साल बाद सत्ताधारी दल के खिलाफ कुछ नाराजगी स्वाभाविक होती है। कानून-व्यवस्था, ड्रग्स का मुद्दा और वादों को पूरा करने की गति को लेकर जो भी असंतोष पैदा होगा, उसका सीधा फायदा कांग्रेस को मिल सकता है, लेकिन कांग्रेस अपनी गुटबाजी के चलते इसे नहीं भुना सकी। निकाय चुनावों में आप को मिली एकतरफा जीत ने साबित कर दिया कि सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाने में कांग्रेस पूरी तरह नाकाम रही है।

पंजाब की राजनीति अब केवल दो पार्टियों तक सीमित नहीं है। अकाली दल (जो अपनी जमीन वापस पाने की कोशिश में है) और बीजेपी (जो शहरी इलाकों और हिंदू बहुल सीटों पर पैठ बढ़ा रही है) के कारण वोट शेयर का बिखराव कांग्रेस का खेल बिगाड़ सकता है। पंजाब में कांग्रेस भले ही आम आदमी पार्टी के सबसे बड़े और मजबूत विकल्प के रूप में खड़ी है, लेकिन कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी से सारे किए धरे पर पानी फिर रहा है। अगर कांग्रेस इन बुनियादी कमियों को दूर नहीं कर पाती, तो पंजाब का किला हमेशा के लिए हाथ से निकल सकता है।अब बात उत्तर प्रदेश की करें तो, यूपी में कांग्रेस को दोबारा से सियासी संजीवनी 2024 के चुनाव में मिली थी। सपा के साथ मिलकर कांग्रेस मोदी को भले ही सत्ता की हैट्रिक लगाने से रोक न सके हो, लेकिन यूपी में मात देने में सफल रही। सपा-कांग्रेस ने यूपी की 80 लोकसभा सीटों में से 43 सीटें जीतीं। जिसमें सपा 37 सीटें तो कांग्रेस 6 सीटें जीती थी। ऐसे में कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती सपा के साथ गठबंधन बनाए रखने के साथ-साथ सीट शेयरिंग तय करने की है। इसके अलावा दोनों दलों ने 2024 में जो माहौल बनाया था, उसे बरकरार रखना होगा।

उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों और बूथों पर कांग्रेस का संगठन कागजों पर तो है, लेकिन जमीन पर पूरी तरह निष्क्रिय है। 2022 में प्रियंका गांधी के 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' के नारे के जरिए जो जमीन तैयार करने की कोशिश की गई थी, वह सफल नहीं हो सकी। जब तक बूथ स्तर पर मजबूत कैडर तैयार नहीं होता, तब तक बीजेपी के पन्ना प्रमुखों से मुकाबला करना नामुमकिन है। ऐसे में कांग्रेस का दारोमदार सपा के बूथ कार्यकर्ताओं के सहारे टिका हुआ है, लेकिन कांग्रेस और सपा के बीच सीट शेयरिंग का मामला सुलझने के बजाय उलझता जा रहा है।सपा प्रमुख अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को बहुत ज्यादा सीटें देने के मूड में नहीं दिख रहे, जिसके चलते कांग्रेस के नेता बेचैन भी हैं। अखिलेश यादव साफ-साफ कह चुके हैं कि सीट शेयरिंग जीत की संभावनाओं पर तय होगी। कांग्रेस जिस सीट से जीत सकती है, उस सीट पर ही उसे चुनाव लड़ाया जाएगा। वहीं, कांग्रेस के नेता और सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद के बयान से गठबंधन में दरार पड़ती दिख रही है। इमरान मसूद कह चुके हैं कि कांग्रेस सपा से भीख नहीं मांगेगी, और पार्टी सभी 403 सीटों पर अपनी तैयारी कर रही है। इमरान मसूद ने दावा किया कि 2024 में गठबंधन की 43 सीटों की जीत का श्रेय कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जाता है। इसके बाद अखिलेश के सीट वाले स्लोगन पर इमरान मसूद ने कहा था कि मैं तो कहूंगा कि सीट नहीं तो जीत नहीं। जब सीट ही नहीं होगी तो जीत कहां से होगी ? ये सबको सोचना चाहिए।

क्या पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बन पायेगा?

सौरभ वार्ष्णेय

पत्रकारिता का मूल उद्देश्य निष्पक्षता, सत्यता और जनहित की रक्षा करना है। लेकिन आज कई बार व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा, टीआरपी की दौड़ और राजनीतिक प्रभाव के कारण पत्रकारिता अपने मूल सिद्धांतों से भटकती दिखाई देती है। समाचारों की प्रस्तुति में सनसनीखेजता बढ़ रही है, जबकि तथ्यों की गहराई और निष्पक्ष विश्लेषण को अपेक्षित महत्व नहीं मिल पा रहा है। यह स्थिति लोकतंत्र और समाज दोनों के लिए चिंता का विषय है। दूसरी ओर, जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले पत्रकारों का संघर्ष भी कम नहीं है।

आज की पत्रकारिता संघर्ष, जिम्मेदारी और विश्वास की परीक्षा बन कर रह गई है। लोकतंत्र के चार प्रमुख स्तंभों में पत्रकारिता को केवल कहने भर को विशेष स्थान प्राप्त है। पत्रकारिता केवल समाचारों का संकलन और प्रसारण भर नहीं है, बल्कि यह समाज को जागरूक करने, सत्ता से प्रश्न पूछने और जनभावनाओं को अभिव्यक्ति देने का सशक्त माध्यम भी है। किंतु वर्तमान समय में पत्रकारिता अनेक चुनौतियों, दबावों और संघर्षों के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में पत्रकारिता की भूमिका, जिम्मेदारी और विश्वसनीयता पर गंभीर चिंतन आवश्यक हो गया है। अभी 30 मई पत्रकारिता दिवस बीता है लेकिन सत्ता की तरफ से सिर्फ रस्म अदायगी? क्या वाकई पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ संविधान के तहत बन पायेगा या हम पत्रकार बिरादरी सिर्फ गाहे गवाये ढोल पीटते रह जायेंगे? पत्रकारिता सिर्फ और सिर्फ कहने भर का चौथा स्तंभ रह जायेगा। यह एक ज्वलंत विषय है।आज सूचना क्रांति का युग है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्म ने समाचारों के प्रसार को अत्यंत तेज बना दिया है। जहां पहले एक समाचार को पाठकों तक पहुंचने में घंटों या दिनों का समय लगता था, वहीं अब कुछ ही सेकंड में खबरें दुनिया भर में पहुंच जाती हैं। लेकिन इस तेजी के साथ एक बड़ी चुनौती भी सामने आई है—सत्य और असत्य के बीच अंतर करने की चुनौती। फर्जी खबरें, आधी-अधूरी जानकारी और भ्रामक प्रचार पत्रकारिता की विश्वसनीयता को प्रभावित कर रहे हैं।

पत्रकारिता का मूल उद्देश्य निष्पक्षता, सत्यता और जनहित की रक्षा करना है। लेकिन आज कई बार व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा, टीआरपी की दौड़ और राजनीतिक प्रभाव के कारण पत्रकारिता अपने मूल सिद्धांतों से भटकती दिखाई देती है। समाचारों की प्रस्तुति में सनसनीखेजता बढ़ रही है, जबकि तथ्यों की गहराई और निष्पक्ष विश्लेषण को अपेक्षित महत्व नहीं मिल पा रहा है। यह स्थिति लोकतंत्र और समाज दोनों के लिए चिंता का विषय है।दूसरी ओर, जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले पत्रकारों का संघर्ष भी कम नहीं है।

अनेक पत्रकार सीमित संसाधनों में काम करते हुए जनसमस्याओं को उजागर करने का प्रयास करते हैं। कई बार उन्हें सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक दबावों का सामना करना पड़ता है। दूर-दराज के क्षेत्रों में कार्यरत संवाददाता जनता और प्रशासन के बीच सेतु का कार्य करते हैं, लेकिन उनके योगदान को हमेशा उचित सम्मान और सुरक्षा नहीं मिल पाती।डिजिटल युग ने पत्रकारिता को नए अवसर भी प्रदान किए हैं। स्वतंत्र पत्रकारिता, वैकल्पिक मीडिया और ऑनलाइन समाचार मंचों ने आम लोगों की आवाज को व्यापक मंच दिया है। अब कोई भी महत्वपूर्ण मुद्दा सोशल मीडिया के माध्यम से राष्ट्रीय बहस का विषय बन सकता है। हालांकि, इस स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। बिना सत्यापन के सूचना साझा करना समाज में भ्रम और अविश्वास पैदा कर सकता है।

आज पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ी परीक्षा जनता के विश्वास को बनाए रखने की है। पाठक और दर्शक केवल खबर नहीं, बल्कि विश्वसनीय खबर चाहते हैं। पत्रकारों और मीडिया संस्थानों को यह समझना होगा कि उनका सबसे बड़ा पूंजीगत निवेश जनता का विश्वास है। यदि यह विश्वास कमजोर होता है, तो पत्रकारिता का प्रभाव और महत्व दोनों प्रभावित होंगे।आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकारिता अपने मूल मूल्यों—सत्य, निष्पक्षता, पारदर्शिता और जनहित—को पुनः केंद्र में स्थापित करे। पत्रकारों को तथ्यपरक रिपोर्टिंग, नैतिक मानकों और सामाजिक जिम्मेदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही सरकारों और समाज को भी स्वतंत्र एवं निर्भीक पत्रकारिता के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना चाहिए।पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को जीवंत रखने का माध्यम है। चुनौतियां चाहे कितनी भी बड़ी हों, यदि पत्रकारिता सत्य और जनहित के मार्ग पर अडिग रहती है, तो वह समाज का विश्वास जीतने में सफल होगी।

जीएसटी की मार सबसे ज्यादा गरीबों पर?

सोहिल जैन

1 जुलाई 2017 को भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू किया गया था। जीएसटी को स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े कर सुधारों में माना गया। सरकार ने इसे वन नेशन, वन टैक्स की अवधारणा के रूप में प्रस्तुत किया। जिसका उद्देश्य विभिन्न अप्रत्यक्ष करों को समाप्त कर पूरे देश में एक समान कर व्यवस्था स्थापित करना था। प्रारंभिक दौर में इसे व्यापार को सरल बनाने और कर चोरी रोकने की दिशा में बड़ा कदम बताया गया था। जो अपेक्षा की गई थी, जीएसटी के कारण जो सुधार होने थे। टैक्स चोरी रुकनी थी, वह रुक नहीं पाई। पिछले आठ वर्षों में जीएसटी का दायरा लगातार बढ़ता गया। इसके साथ ही गरीब एवं मध्यम वर्ग के नागरिकों पर अप्रत्यक्ष करों का बोझ भी बढ़ता चला गया ।

जीएसटी लागू होने के समय आवश्यक वस्तुओं को कर मुक्त या न्यूनतम कर दायरे में रखा गया था। जब कानून लागू हुआ उस समय विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं को 5%, 12%, 18% और 28% के स्लैब में रखा गया था। बाद के वर्षों में कई वस्तुओं और सेवाओं को नए सिरे से जीएसटी के दायरे में शामिल किया गया। पैकड खाद्यान्न, होटल सेवाएँ, ऑनलाइन सेवाएँ, डिजिटल प्लेटफॉर्म, बीमा सेवाएँ, बैंकिंग सेवाएँ, परिवहन, खाद्य पदार्थों की निर्माण सामग्री तथा अनेक उपभोक्ता वस्तुओं पर समय-समय पर कर संरचना में बदलाव किए गए। जिसके कारण कर संग्रह का आधार लगातार बढ़ा होता गया। इसका भार गरीब और मध्यम वर्ग पर बढ़ता चला गया।

सरकार का तर्क है, जीएसटी कर प्रणाली को पारदर्शी बनाया गया है। कर चोरी पर नियंत्रण लगा है। पिछले वर्षों में कर चोरी के बड़े-बड़े मामले सामने आए हैं। कारपोरेट जगत नियम और कानून का

दुरुपयोग कर सबसे ज्यादा कर चोरी कर रहा है। यह बात भी कई मामलों में प्रमाणित हो चुकी है। डिजिटल रिटर्न, ई-वे बिल ऑनलाइन निगरानी तथा जीएसटी के दायरे में लगातार वस्तुओं और सेवाओं को शामिल करने के कारण करों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यही कारण है जीएसटी के कर संग्रह में लगातार रिकॉर्ड वृद्धि हो रही है। बिजली बिल रेलवे टिकट बैंकिंग सेवाओं सब में आम आदमी को जीएसटी चुकाना पड़ रही है।

वर्षवार जीएसटी संग्रह (अनुमानित)

वित्तीय वर्ष? जीएसटी संग्रह

2017-18 (9 माह)? 7.40 लाख करोड़

2018-19? 11.77 लाख करोड़

2019-20? 12.22 लाख करोड़

2020-21? 11.36 लाख करोड़

2021-22? 14.83 लाख करोड़

2022-23? 18.07 लाख करोड़

2023-24? 20.18 लाख करोड़

2024-25? 22.08 लाख करोड़

(इसकी वर्षवार तालिका बनाएं)

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जीएसटी कर संग्रह 2021 के बाद तेज गति से बढ़ा है। पाँच वर्षों में लगभग दोगुना हो गया है। पिछले 8 वर्षों में यह तीन गुना हुआ है।

आज का राशिफल

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। माता के स्वास्थ्य में पहले की अपेक्षा सुधार आयेगा और माताजी आज आपसे डिमांड कर सकती हैं। आज फाइनेंस के मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियाँ लेकर आया है। आज आपको शुभ समाचार मिलने के योग नजर आ रहे हैं। आज उचित व्यवस्था हो जाने के बावजूद मन में कुछ परेशानी बनी रहेगी, अपना मनोबल मजबूत रखें।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज बड़ों का सानिध्य मिलेगा और घर में सुख सुविधा संबंधी वस्तुओं की खरीदारी होने की संभावना है। किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति से मुलाकात द्वारा कुछ बेहतरीन जानकारियां हासिल होंगी।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज ऑफिस में आपके परफॉरमेंस की तारीफ होगी। आज बिजनेस के रुके हुए काम पूरे करने में सफलता मिल सकती हैं।

सिंह राशि- आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। जो लोग स्थान परिवर्तन के लिए इच्छुक हैं, आज उनकी यह इच्छा पूरी होने के योग है। आपकी सकारात्मक सोच से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा।

कन्या राशि- आज आपका दिन बेहतरीन होने वाला है। आज अचानक आय के नए रास्ते मिलेंगे, जिसका लाभ उठाने में आप सफल होंगे। आज रोज से ज्यादा दौड़-भाग रहेगी।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में दूरदर्शिता बनाए रखें जल्दबाजी करना उचित नहीं है। बेवजह की गतिविधियों में समय बेकार ना करके अपने कामों पर फोकस करें।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज व्यापार में लाभ के योग हैं। सार्वजनिक क्षेत्र में आपकी छवि के अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे। आपके बिजनेस में उलझने रहेंगी, लेकिन मेहनत से आप इनको सुलझा लेंगे।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहेगा। आज आप नया बिजनेस शुरू करने की प्लानिंग करेंगे। आज किसी विशेष क्षेत्र में की गई मेहनत का उचित परिणाम प्राप्त होने के आसार हैं। बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। आज आपकी मेहनत का आपको अच्छा रिजल्ट मिलेगा। जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज परिवार में भाई-बहनों से मदद लेनी पड़ सकती हैं।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपका मन दान-पुण्य में अधिक लगेगा। आज की दिनचर्या में आप बीते दिनों की तुलना में आप कुछ जादा व्यस्त रहेंगे।

मीन राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। पिछले कुछ समय से चल रहे तनाव से आज राहत आपको मिलेगी। अनुभवी लोगों के सानिध्य से आपको कुछ सकारात्मक अनुभव मिलेंगे।

शब्द कौतुक

शब्द सामर्थ्य -57

सुडोकू

सु-दोकू क्र.54

स्वामी अशोक भटनागर, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ब्यास मुनि द्विवेदी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्रा. लि. पीएनबी बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं एलआईजी 93 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बनमुली, नरदहा, रायपुर छत्तीसगढ़ से प्रकाशित प्रबंध संपादक- आशीष मिश्रा (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन नं. 0771-4000600

जोक्स

आज हम दोनो जिन्दा होते

दो महिलाओं की मुलाकात स्वर्ग में हुई
पहली: बहन तुम्हारी मौत कैसे हुई?
दूसरी: ज्यादा ठण्ड लगने के कारण और तुम्हारी?
पहली: हार्ट अटैक के कारण काफी समय से मुझे अपने पति पर शक था।
एक दिन मुझे पता चला कि वो घर में किसी दूसरी औरत के साथ है।
मैं फौरन घर पहुंची तो देखा कि मेरे पति आराम से अकेले टीवी देख रहे हैं
दूसरी: फिर क्या हुआ?
पहली: खबर पक्की थी इसलिए मुझे विश्वास नहीं हुआ।
मैंने उस औरत को घर के कोने कोने में, गुसलखाने में, पर्दों के पीछे, गार्डन में यहां तक कि अलमारी और संदूक तक में तलाश किया पर वह नहीं मिली।
मुझे इतनी टेंशन हुई कि मेरा ब्लड प्रेशर बहुत बढ़ गया और मेरी मौत हो गई।
दूसरी: काश तुमने फ्रिज खोलकर देख लिया होता तो आज हम दोनों जिन्दा होते।

नाई हूं

गर्लफ्रेंड: जानू तुम हफ्ते में कितनी बार दाढ़ी बनाते हो?
ब्वॉयफ्रेंड: हफ्ते में नहीं मैं तो हर रोज 20-30 बार दाढ़ी बनाता हूं।
गर्लफ्रेंड: तुम पागल हो।
ब्वॉयफ्रेंड: नहीं मैं नाई हूं।

इंजीनियर

शादी में एक आदमी ने 7-8 गुलाबजामुन लिए और सबको थोड़ा-थोड़ा खा-खाकर प्लेट में रख रहा था।
किसी ने पूछा: भाई साहब मीठा है या नहीं यह चेक कर रहे हो क्या?
तो वह बोला: नहीं-नहीं, अब ये गुलाब जामुन प्लेट में लुढ़ककर रायता-अचार-चटनी में नहीं घुसेंगे।
बाद में पता चला वो शख्स इंजीनियर था

जो शराब नही पीता वो गधा है

टीचर ने एक गधे के सामने एक बाल्टी पानी और एक बोतल शराब रखी। गधा सारा पानी पी गया।
टीचर ने बच्चों से पूछा: तो तुमने क्या सीखा?
बच्चे: जो शराब नहीं पीता वो गधा है।

बनाएं ससुराल में खुशनुमा माहौल

मन में सदैव नकारात्मक विचार न रखें। यदि ससुराल के सदस्यों का व्यवहार आपके साथ अच्छा नहीं है तो भी उनसे घृणा न करें और न ही हमेशा पति या अन्य लोगों के समक्ष उनकी बुराइयां करती रहें। छोटी-छोटी बातों को मन में ही संजोकर रखने के बजाए उन्हें दिल से उसी समय निकाल फेंके। घर के सभी छोटे- बड़े सदस्यों को उचित मान-सम्मान व प्यार दें।

- विभिन्न त्यौहारों पर सास - ससुर, ननद, देवर आदि को यथासंभव उपहार दें। उपहार देते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि उपहार उनकी पसंद एवं आवश्यकता के अनुरूप ही हो।
- ससुराल के परम्परागत त्यौहारों को प्रसन्नता पूर्वक मनाएं। उनके त्यौहार मनाने के तौर-तरीकों में किसी प्रकार का मीन मेख न निकालें। किसी भी प्रकार की पूजा- अर्चना आदि में खुशी-खुशी शामिल हों। आपकी इसमें रूचि न भी हो तो भी ससुराल के सदस्यों का मन रखने के लिए इसमें रूचि अवश्य लें।
- यदि आप पर ही पूरे काम का बोझ है और आपकी ननद या जेठानी आदि काम करने में कोई रूचि नहीं दिखाती तो, सबके बीच पति व सास-ससुर से इस बारे में विचार-विमर्श करें।
- कहीं से कभी जवाब तलबी करनी भी पड़े तो अनुचित शब्दों का प्रयोग कदापि न करें। ताने देने से बचें और शालीन भाषा में ही अपनी बात कहें।
- ससुराल पक्ष के रिश्तेदारों व मित्रों को उचित सम्मान दें। उनके अपने घर पर मेहमान बनकर आने पर उनका प्रसन्नतापूर्वक स्वागत करें।

- मायके से ससुराल की तुलना भूलकर भी न करें। इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि हर घर में अलग वातावरण होता है। इसलिए धीरे-धीरे पति या अन्य सदस्यों की अपनी पसंद- नापसंद के बारे में अवगत करा सकती हैं मगर यह कभी न कहें कि हमारे घर में तो ऐसा होता था मगर यहां...।
- कहीं भी जाने से पूर्व सास की अनुमति अवश्य लें। यदि सास का व्यवहार आपके प्रति अच्छा नहीं है तो भी कहीं जाने से पहले उन्हें सूचना अवश्य दे दें।
- बार-बार मायके जाने की जिद न करें। कुछ समय के अंतराल के बाद ही पति या सास को इस बारे में कहें।
- मायके से मिले उपहारों को सास, ननद व अन्य सदस्यों को अवश्य दिखाएं, उन्हें उनका उपयोग करने के लिए भी कहें। मायके से आई हर वस्तु पर सिर्फ अपना ही हक मत जताएं।
- यदि सास, ननद या जेठानी आपसे अधिक गुणवान है तो उनसे ईर्ष्या करने के बजाए उनसे कुछ सीखने का प्रयास करें।
- ससुराल के बड़े सदस्यों द्वारा किसी बात पर टिप्पणी करने से उसे बुरा न समझें। बड़ों द्वारा निकाली गई गलती कभी-कभी बहुत सीख देती है अतः अपनी गलती को दूर करने का प्रयत्न करें।
- पति को पर्सनल प्रॉपर्टी समझने की भूल न करें। वह आपका पति होने के साथ-साथ किसी का बेटा, भाई या देवर भी है। उसे अपने मां-बाप व अन्य सदस्यों के प्रति जिम्मेदारियां निभाने का भी अधिकार है बल्कि इस कार्य में आप स्वयं भी उनकी मदद करें।
- किसी भी सदस्य द्वारा किसी भी अवसर पर कोई उपहार दिए जाने पर उसे प्रसन्नता पूर्वक स्वीकार करें। यदि आपको वह उपहार पसंद न हो तो भी उसे जाहिर न होने दें।

दुनिया के सबसे खूबसूरत व स्वच्छ बीच, एक बार जरूर जाएं घूमने

लोग घूमने के लिए ऐसी जगहों की तलाश में होते हैं, जहां वो अपने मन की कर पाएं, जहां उन्हें घूमने के लिए अच्छी जगह मिले, जहां वो अपने दोस्तों संग मस्ती कर पाएं, जिस ट्रिप पर उनका पूरा पैसा वसूल हो जाए आदि। अपने व्यस्त शेड्यूल में लोग थोड़ा समय निकालकर घूमने जरूर जाते हैं, ताकि वो किसी एकांत, खूबसूरत और साफ जगह पर अपना समय बिता पाएं। ऐसे में अगर आप भी ऐसी किसी जगह की तलाश में हैं, तो आपको बता दें कि भारत में कई ऐसे बीच हैं।

अगोंडा बीच : दक्षिण गोवा का एक छोटा सा गांव है अगोंडा। ये अगोंडा बीच भारत के साफ बीच में से एक है। यहां आप शांति के पल बिता सकते हैं और साथ ही यहां आप स्विमिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं। इस बीच पर कई शाकाहारी भोजनालय और बुटीक रिजॉर्ट्स भी हैं। जहां पर आप एंजॉय कर सकते हैं। हर साल काफी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचकर अपनी छुट्टियां बिताते हैं।

राधानगर बीच: दुनिया में कई ऐसे बीच हैं जो काफी प्रसिद्ध हैं, इन्हीं में से एक बीच है राधानगर बीच जो अंडमान द्वीप में स्थित है। यहां एक तरफ आपको जंगल का खूबसूरत नजारा दिख जाएगा, तो वहीं दूसरी तरफ सफेद रेत पर एक तरफ बीच का साफ नीला पानी देखने को मिल जाएगा। इस बीच की लहरें ज्यादा ऊपर नहीं उठती हैं, इसलिए लोग इसमें स्विमिंग भी कर लेते हैं। हर साल यहां काफी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं और अपने साथ अच्छी यादें लेकर लौटते हैं।

रेडिसन्स जारा बीच: आइसलैंड के इस खूबसूरत से बीच की जितनी तारीफ की जाए, उतनी कम है, क्योंकि इस जगह के लुभावने परिदृश्यों का कोई अंत नहीं है। रेडिसन्सजारा अपनी काली रेत और बेसाल्ट स्तंभों के लिए प्रसिद्ध है और तेज हवाओं के झोंकों के साथ उठती लहरें इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगा देती है।

पालोलेम बीच: गोवा में स्थित पालोलेम बीच हर साल काफी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। इस बीच पर साइलेंट डिस्को चलता है। इसमें ऐसा किया जाता है कि यहां शांति बनाने के लिए लोगों को हेडफोन पहना दिए जाते हैं, ताकि बीच पर शांति भी बनी रहे और लोग अपना मनोरंजन भी कर पाएं। पर्यटक बीच किनारे रुक पाएं, इसके लिए यहां रंगीन झोपड़ीनुमा घर भी बनाए गए हैं। ये घर खूबसूरत होने के साथ ही इनमें हर सुख सुविधा मौजूद रहती है।

लॉन्ग बीच : कनाडा के वैंकूवर द्वीप पर सबसे लंबा रेतीला समुद्र तट, जिसे उपयुक्त रूप से लॉन्ग बीच कहा जाता है, कुछ सबसे शांत दृश्य और अद्भुत समुद्री जीवन प्रदान करता है। प्रशांत रिम नेशनल पार्क रिजर्व के भीतर स्थित यह समुद्र तट 10 मील तक फैला हुआ है। इसकी खूबसूरत रेत और रेनफॉरेस्ट के व्यू इस स्थान को और भी बेहतरीन व खूबसूरत बनाता है।

फर्नीचर से फर्निश करें अपना आशियाना

अधिकतर घरों में आपको ऐसा फर्नीचर मिलेगा, जो काफी जगह घेरता है, मगर कुछ खास काम भी नहीं आता। वह फर्नीचर घर का लुक खराब करता है। इस किस्म के फर्नीचर को बाहर निकालें व उसकी जगह ऐसे फर्नीचर का प्रयोग करें, जो इस्तेमाल में आए व आपके घर की सजावट में भी चार चांद लगा दे। जो फर्नीचर छोटी-छोटी जगहों का पूरक बन जाता है, वह ही शानदार दिखाई देता है। यह अक्लमंदी ही है कि घर में आप ऐसे फर्नीचर का इस्तेमाल करें, जो कम जगह घेरे, खासकर जब आपका अपार्टमेंट छोटा हो और निश्चित बजट में काम करना हो।

इसमें शक नहीं है कि आज लोगों के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि उनके घरों में जगह बहुत कम है। इस समस्या का समाधान यही है कि जो फर्नीचर काम आए, सिर्फ उसका ही इस्तेमाल किया जाए। नए मकान छोटे हों, तो ऐसे फर्नीचर का प्रयोग करना चाहिए, जिसकी उपयोगिता बहुआयामी हो और जो घर की सजावट को बढ़ा दे। लिविंग रूम व बेडरूम ऐसी जगह है, जहां बहुत आसानी से फर्नीचर को कई कामों में लाया जा सकता है। मसलन, फुट स्टूल्स को मेज, फुटरेस्ट या स्टोरेज स्पेस के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। उन्हें आसानी से कमरे में इधर-उधर भी रखा जा सकता है। फुटस्टूल लकड़ी, लेदर टॉप या अपहोल्स्टर्ड का हो सकता है। इसकी साइड किसी कलात्मक मैटीरियल या मखमल की हो सकती है। लिविंग रूम में बहुत से लोगों के सामने यह समस्या आती है कि जगह का अधिकतम इस्तेमाल फर्नीशिंग करते समय किस तरह से करें? यह कैसे सुनिश्चित किया जाए कि यह कमरा बहुत भीड़भाड़ वाला न लगे? इस संदर्भ में पहला सुझाव तो यह है कि किताबों की बहुत बड़ी अलमारी न रखें, विशाल सोफा-सेट का प्रयोग न करें और डायनिंग टेबिल भी न रखें। साथ ही, यह भी महत्वपूर्ण है कि फर्नीचर का प्रत्येक पीस किसी अतिरिक्त काम में भी आना चाहिए। मसलन, टेलीविजन व म्यूजिक सिस्टम के लिए दीवार पर एक बड़ा यूनिट बनाने से बेहतर है कि टीवी के लिए एक अलग छोटा केबिनेट इस्तेमाल करें और स्टीरियो व स्पीकर को दीवार की दूसरी शैल्फ पर लगा दें। आमतौर पर कमरे के कोने के लिए सोफे का प्रयोग करें। इस तरह आप कोनों का अधिकतम प्रयोग कर सकेंगे। साथ ही, आपको अतिरिक्त आर्मचेयर नहीं खरीदनी पड़ेगी। आप एक ऐसे फर्नीचर का भी प्रयोग कर सकते हैं, जो सोफा-कम-बेड हो। इस तरह आप मेहमानों के लिए एक अलग कमरा बनाने की बजाए, वहीं व्यवस्था कर सकती हैं। एक अच्छा सोफा-कम बेड सोने व बैठने के लिए काम आ सकता है। आपको निश्चित रूप से ऐसे विकल्पों का चयन करना चाहिए, जो अधिक जगह की बचत कर सकें। जिन मेजों को बंद करके रखा जा सकता है, वह किचन टेबिल या स्टडी टेबिल के तौर पर बहुत अच्छी होती है।

टेबिल टॉप को इस्तेमाल के बाद नीचे कर दिया जाता है। किसी जगह फिक्स की गई शैल्फ अतिरिक्त साइड टेबिल या इंड टेबिल के तौर पर काम आ जाती है। इंड टेबिल बहुत काम की होती है और देखने में भी अच्छी लगती है। इन पर जो खुली या बंद दराजें होती हैं, वे अगर सही जगह पर रखी हों, तो सामान रखने व निकालने की बजाए, सजावट को बढ़ाने में काम आती हैं। आप फर्नीचर या गलीचों के जरिए पार्टीशन भी बना सकते हैं, अलग जगह परिभाषित करने के लिए। बुकशैल्फ को कमरा बांटने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। पूरे जगह पर एक-से ही रंगों या डिजाइनों का इस्तेमाल करें। अलग-अलग रंग, टेक्सचर या शैली इस्तेमाल करने से कमरा भरा-भरा-सा लगने लगता है। अगर आपको सजावटी चीजें डिस्प्ले करने का शौक है, और आपका लिविंग रूम छोटा है, तो डिस्प्ले आइटमों की संख्या कम रखें। केवल उनको डिस्प्ले करें।

बालों की अनदेखी बन सकती है समस्या

लंबे, चमकदार और काले बाल हर महिला की पहली पसंद हैं। महिलाएं हेयर केयर के लिए भी काफी धन खर्च करती हैं इसके बाद भी उन्हें यह शिकायत ही रहती है कि उनके बाल झड़ते रहते हैं या फिर समय से पहले ही सफेद हो रहे हैं। बालों की समस्या से लगभग हर दूसरी महिला परेशान है। ऐसी स्थिति में सुरक्षा के साथ ही अगर हम सावधानी बरतें तो बालों को कम से कम हानि होगी। बालों की सुरक्षा कैसे की जाए जानते हैं इस विषय में।

हम बालों में जब भी ब्रश करते हैं तो स्कैल्प पर मृत त्वचा नहीं जमती और रक्त संचार भी ठीक रहता है पर बार-बार ब्रश करने से बालों को नुकसान भी पहुंचता है। बाल मुलायम होते हैं और लगातार ब्रशिंग से बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं और दो मुंहे भी हो जाते हैं। कोशिश करें कि बाल कम से कम ब्रश किए जाएं। हां चाहें तो बीच-बीच में बालों की स्थिति उंगलियों से ठीक कर सकती हैं।

कंडीशनर दो मुंहे बालों से निजात नहीं दिलवाता, यह सत्य है। दो मुंहे बालों से निजात केवल ट्रिमिंग से मिलती है। अपने बालों को तीन महीने के अंतराल में ट्रिम अवश्य करवाएं, अगर आप दो मुंहे बालों से निजात पाना चाहते हैं। यह सत्य है कंडीशनर बालों में चमक बनाए रखता है और बालों की नमी को ठीक रखता है। पर यह भी ध्यान रखें कि अधिक शैंपू का प्रयोग स्कैल्प को शुष्क बनाता है और अधिक कंडीशनर से बाल चिकने हो जाते हैं। इसलिए इनका प्रयोग से अपने बालों को देखकर ही करें।

कितनी बार बालों को धोएं : बालों को धोना सबके लिए अलग-अलग हो सकता है। यह निर्भर करता है मौसम, प्रदूषण, ट्रैवलिंग आदि पर। जो लोग प्रतिदिन बाहर जाते हैं उनके बाल प्रदूषण और बाहरी वातावरण के प्रभाव से जल्दी गंदे होते हैं। बालों पर मौसम का प्रभाव भी बहुत असर डालता है। कुछ लोग घर पर रहते हैं और धूल के संपर्क में कम आते हैं। तब भी उन्हें बाल सप्ताह में कम से कम दो-तीन बार धोने की आवश्यकता होती है। जो गृहणियां कुकिंग सीमित मात्रा में करती हैं उन्हें बाल कम धोने की आवश्यकता होती है, इसलिए बालों का धोना अपनी जरूरत पर निर्भर करता है।

गीले बालों में ब्रश करने से बाल सुलझाने जल्दी है यह तो सही है पर गीले बालों में की गई कंघी या ब्रश बालों को कमजोर कर देते हैं जिससे बाल अधिक टूटते हैं और दो मुंहे हो जाते हैं। अगर आपके बाल जल्दी उलझते हों तो बालों में उंगलियां फेरते रहें ताकि बाल उलझें नहीं। चमकदार बाल ही आपका असली खजाना है जिसे संजो कर रखें।

सफेद बालों को छिपाने का हेयर कलर करना एक उचित माध्यम है पर घटिया प्रोडक्ट का प्रयोग करने से बालों को नुकसान पहुंचता है। वैसे आजकल मार्केट में कलर प्रोडक्ट्स की ढेरों वैराइटी आ चुकी हैं। बस आवश्यकता है उनका सही प्रयोग किया जाए। कलर किए हुए बालों पर कलर प्रोटेक्शन शैंपू और कंडीशनर का प्रयोग करें जिससे बालों पर कलर मेंटेन रह सके और बाल सुरक्षित भी रहें।

कुर्तों को दें स्टाइलिश मेकओवर

चाहे आप ऑफिस जाने वाली लड़की हों या कॉलेज, आपके वॉर्डरोब में कुर्ता जरूर मौजूद रहता है। कई बार आपका कुर्ता वॉर्डरोब में रखे-रखे पुराना होने लगता है। ऐसे में आपको जरूरत है कि आप इसे मेकओवर दें। चाहे इसे स्टाइलिश तरीके से कैरी करना हो या इसे नया लुक देना हो, आप कई तरीकों से अपने कुर्ते को मेकओवर देकर नया लुक पा सकती हैं। तो आप भी जानिए ये टिप्स और अपने कुर्ते को दें स्टाइलिश मेकओवर-

श्रग की तरह यूज करें: अगर आप अपना कुर्ता पहन-पहन कर बोर हो चुकी हैं, लेकिन इसकी चमक और खूबसूरती अभी भी बनी हुई है, तो इसे अब कुर्ता नहीं, श्रग की तरह कैरी करें। इसके लिए आप टेलर की मदद लें और कुर्ते का श्रग बनवाएं या आप चाहें तो इसे खुद घर पर भी कर सकती हैं। यूट्यूब पर आपको कई ऐसे वीडियो मिल जाएंगे जिनकी मदद से आप अपने पुराने कुर्ते को आसानी से श्रग में बदल सकती हैं।

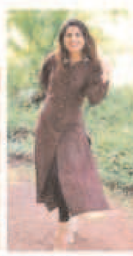

स्कर्ट के साथ पेयरअप: जींस और लैगिंग्स को थोड़ा ब्रेक दें और अपने कुर्ते को स्कर्ट के साथ कैरी करें। अगर आपका कुर्ता लॉन्ग है, तो इसे आप स्कर्ट के साथ पेयर कर काफी ट्रेंडी और स्टाइलिश लुक पा सकती हैं।

फॉर्मल लुक करें ट्राई: आप अपने कुर्ते में फॉर्मल लुक भी पा सकती हैं। अपने शॉर्ट कुर्ते को पैंट्स के साथ टक-इन करके पहनें। आप चाहें तो इसके साथ ब्लेजर पहनकर अपने लुक को और ट्रेंडी और फॉर्मल बना सकती हैं। तो अब शर्ट की जगह कुर्ता कैरी करें और पाएं ट्रेंडी फॉर्मल लुक।

बाल कहानी

सच्चा धन

काशी में धर्मदत्त नामक एक प्रकांड पंडित रहते थे। वे ज्योतिष विद्या में अत्यंत निपुण थे। उनका गणित कभी गलत नहीं हुआ, फिर भी घर में मंद कमाई ही रहती थी। पत्नी किसी न किसी अभाव की चर्चा कर, सदा उन्हें उलाहने दिया करती।

एक दिन धर्मदत्त ने अपनी कुंडली देखी। पता चला, यदि आज ही रात को रोहिणी नक्षत्र के लगते ही घर त्याग कर चल दिया जाए तो धन लाभ होगा। धर्मदत्त ने पत्नी को बिना बताए घर छोड़ने का इरादा बना लिया। ज्योतिष और धर्म की कुछ पुस्तकें पत्नी से छिपाकर उन्होंने एक थैले में बाहर चबूतरे की ओट में रख दीं। उसी समय कोई चोर भी चोरी करके उधर से गुजरा। अचानक उसे कुछ लोग सामने से आते दिखाई दिए। उसने चोरी के माल से भरा थैला भी उसी ओट में छिपा दिया। स्वयं दूसरी गली में जा छिपा। तभी रोहिणी नक्षत्र लग गया। धर्मदत्त चुपचाप उठे। सांकल खोलकर घर बाहर आए। ओट में रखा थैला उठाया और चल दिए। उनके जाने के बाद चोर आया। उसने भी ओट में रखा थैला उठाया और खिसक गया। सवेरा होते तक धर्मदत्त काशी से काफी दूर निकल गए। अचानक उनकी दृष्टि हाथ में उठाए थैले पर गई तो चौंक उठे। यह उनका थैला नहीं था। थैले में सोने-चांदी के आभूषण थे। वह हंसने लगे। उनकी कुंडली का गणित शत-प्रतिशत सही निकला था। सोचने लगा कि पत्नी दिन भर धन के लिए हाय-हाय करती थी। अब इस धन को कई गुना करके ही घर लौटूंगा। बस, वह दूसरे नगर में चले गए। थैले के आभूषण बेचकर व्यापार करने लगे। जैसे-जैसे व्यापार बढ़ा, वैसे-वैसे पंडित धर्मदत्त निन्यानवे के फेर में पड़ते चले गए।

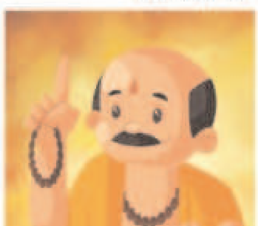

अजूबा उस चोर के साथ भी हुआ। घर जाकर उसने थैला देखा तो सिर पीट लिया। आभूषणों के स्थान पर थैले में धर्म और ज्योतिष की पुरानी पुस्तकें निकलीं। चोर ने सोचा कि शायद गलती से मेरा थैला कहीं छूट गया है। उसे ढूंढने के लिए वह जाने ही वाला था कि उसकी पत्नी ने टोक दिया, किधर चले। अभी तो पाठशाला से आए थे। चोर को जैसे कुछ ध्यान आया। उसने अपनी पत्नी को सदा यही कहा था, वह एक रात्रिकालीन पाठशाला में पढ़ता है। अपनी बात रखने के लिए वह बिस्तर पर एक पुस्तक निकाली और पढ़ने लगा। लिखा था, ये तो हर मनुष्य भगवान के आधीन है, किंतु वह कौन-सा कर्म करे, यह उसे स्वयं सोचना पड़ता है। यदि वह चाहे तो अपने कर्म द्वारा अपना भाग्य तक बदल सकता है।

चोर सोने से पहले एक न एक पुस्तक पढ़ने लगा। रोज उसे नई-नई बातें पढ़ने को मिलती थीं। पत्नी भी उनको सुनकर प्रसन्न होती थी। समय बीतते-बीतते वह एक सदाचारी मनुष्य बन गया। उधर धर्मदत्त धन को एकदम बढ़ाने के लालच में वह सट्टा लगाने लगे। कुछ दिन तक जीते मगर एक दिन उनका सारा धन सट्टे की भेंट चढ़ गया। परेशान धर्मदत्त हवेली छोड़कर नदी में कूद अपनी जीवन लीला समाप्त करने के लिए चल दिए। रास्ते में उन्होंने सुना, नगर में कोई सिद्ध महात्मा आए हैं। धर्मदत्त भी उन महात्मा के आश्रम पर जा पहुंचे और खोए धन को फिर से प्राप्त करने का उपाय पूछा। धर्मदत्त की विपदा सुनकर महात्मा जी मुस्कुराए। बोले, लालच बढ़ता है, तो धन डूबता है। मेरे साथ भी तो भी ऐसा ही हुआ था मगर मेरे हाथ सच्चा धन लग गया था।

कैसे? धर्मदत्त ने पूछा।

महात्मा जी अंदर गए। फिर सारी पुस्तकें लाकर धर्मदत्त के सामने रख दीं। बोले, यही है वह सच्चा धन। धर्मदत्त उन पुस्तकों को देखकर चौंक उठे। उन्हीं की थीं वे पुस्तकें। वह भुगतान करते खड़े हुए। महात्मा जी पुकारते रह गए मगर वह नहीं रुके। उन्होंने सच्चे धन को फिर से प्राप्त करने की ठान ली थी।

क्वालिटी और फिटनेस चाहिए तो दफ्तर में करें कॉरपोरेट योगा

आजकल बड़ी बड़ी कंपनियां अपने यहां कार्यरत कर्मचारियों को मानसिक और शारीरिक रूप से फिट रखने के लिए अपने कैंपस में ही हेल्थ क्लब खोलती हैं या प्रशिक्षक रखकर कर्मचारियों को योग में प्रशिक्षित किया जाता है। कॉरपोरेट जगत में योग के इस प्रशिक्षण को कॉरपोरेट योगा के नाम से जाना जाता है, जिसका क्रेज धीरे-धीरे बढ़ रहा है। एक स्वस्थ कर्मचारी ही अपनी कंपनी को पूरी क्षमता दे सकता है। काम के ज्यादा घंटे, भागदौड़ भरी जीवनशैली और तनावग्रस्त वर्कप्लेस में कर्मचारियों को काम के तनाव से बचाने के लिए इसे किया जाता है। हर कंपनी चाहती है कि उसके यहां काम करने वाले कर्मचारी शारीरिक, मानसिक रूप से स्वस्थ और खुश रहें जिससे कि वो बेहतर ढंग से काम कर सकें। इससे उनकी कार्यक्षमता तो बढ़ती ही है, साथ ही कंधे, कमर, पीठ और घुटनों में होने वाले दर्द से भी राहत मिलती है। कॉरपोरेट योगा का मकसद कर्मचारियों के फिटनेस को दुरुस्त रखना है।

ऑफिस में किये जाने वाले आसन

विभिन्न तरह के व्यायाम में योग ही ऐसा है जिसे घर के साथ-साथ ऑफिस में करना भी संभव है। ऑफिस में करने के लिए कुछ ऐसे आसनों का चुनाव किया जाता है जिन्हें अपनी डेस्क पर बैठकर ही करना संभव हो। आजकल कई कंपनियां व्यायाम और ध्यान के लिए अलग से हेल्थ रूम्स का इंतजाम करवाती हैं, जहां आप अपनी सुविधानुसार कसरत आदि कुछ देर व्यायाम कर सकते हैं।

डेस्क पर भी कर सकते हैं योगा

- दोनों हाथ आगे की तरफ करके, हथेलियां जोड़कर सांस लेते हुए सिर के ऊपर की तरफ ले जाएं। ठीक से स्ट्रेच करें, फिर छोड़ दें। लगातार काम करते-करते थकान हो जाए तो रिलैक्स करने के लिए यह आसन ठीक है।
- काम करते-करते कंधे और गर्दन में दर्द होने पर सिर को आगे सीने की तरफ ले जाएं। कुछ क्षण ऐसे ही रखें, फिर दाएं-बाएं कंधे की तरफ गर्दन धीरे-धीरे घुमाएं। आंख बंद रखें। एक दो मिनट करने से ही काफी आराम महसूस होगा।
- कंप्यूटर या टाइपराइटर पर ज्यादा देर काम करने वालों के लिए अंगुलियों की एक्सरसाइज जरूरी है। इसके लिए दोनों हाथ सीधे फैलाकर उंगलियों के पोरों को बल पूर्वक धीरे-धीरे मोड़ें और सीधा करें। इसके बाद अंगूठे को मोड़कर अंगुलियों में दबाते हुए मुक्के जैसी आकृति बनाएं, फिर धीरे-धीरे खोलें। इसे दस बार कर सकते हैं।
- कंधे और सर्वाइकल पेन में आराम के लिए दोनों हाथों को मोड़कर कंधे पर रखें। कोहनियां कंधों के सामने रहें। फिर दोनों कोहनियों को छाती के सामने मिलाते हुए बड़ा गोल घुमाएं। यह क्रिया विपरीत दिशा में भी करें।
- गर्दन को सीधा रखकर आंखों की पुतलियों को पहले ऊपर-नीचे, फिर दाएं-बाएं घुमाएं। इसके बाद दाएं-बाएं गोलाई में घुमाएं।
- ज्यादा तनाव होने पर अपनी कुर्सी पर बैठकर कुछ देर गहरी सांस लें, कुछ सेकंड रोकें, फिर छोड़ दें।

कॉरपोरेट योग के फायदे

- कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ती है।
- कार्य करने के दौरान ज्यादा तनाव नहीं होता है।
- स्वास्थ्य अच्छा रहता है, कर्मचारी छुट्टियां कम लेते हैं।
- काम की गुणवत्ता बढ़ती है।
- मन एकाग्र होता है, गलतियां कम होती हैं।
- कंपनी और कर्मचारियों के संबंध अच्छे होते हैं।
- टीम भावना का विकास होता है।

जब घर में रखें नौकर, तो ध्यान रखें इन बातों का

घर में नौकर रखते वक्त बहुत-सी बातों का ध्यान रखना पड़ता है, ताकि बाद में आपको परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही बार-बार नया नौकर ढूंढने के झंझट से मुक्ति मिल सके। जब किचन के लिए नौकर रखने की बात आती है तो कई महत्वपूर्ण बातों पर गौर करना ज्यादा जरूरी हो जाता है। यह पूरी फैमिली के स्वास्थ्य का सवाल होता है।

- जब घर में नौकर काम करे तो ध्यान रखें कि उसके हाथ-पैर के नाखून भली-भांति कटे हुए व साफ होने चाहिए।
- उससे रोजाना एप्रिन पहन कर काम करने के लिए कहें। वक्त की एप्रिन हो तो उसकी सफाई प्रतिदिन जरूरी है, वरना कीटाणु उस पर जमा होते रहेंगे। सफेद की बजाए हल्के रंग का एप्रिन ज्यादा उपयुक्त रहेगा, क्योंकि सफेद रंग में दाग जल्दी छूटते नहीं।
- उसकी ड्रेस साफ-सुथरी होनी चाहिए। साथ ही उसका रोजाना स्नान भी जरूरी है। उसे बताएं कि कोई भी सब्जी छीलने या काटने के पश्चात हाथों को सही भांति साफ अवश्य करें। अक्सर ऐसे लोग सफाई के प्रति सजग नहीं होते और आलू, बैंगन इत्यादि छीलने के बाद हाथ साफ किए बिना ही खाना पकाने में जुट जाते हैं। इससे इन सब्जियों के छिलकों पर लगी धूल-मिट्टी पूरे खाने में चली जाती है।
- रसोई में रोजाना धुला हुआ कोई सूती कपड़ा या छोटा तौलिया अवश्य रखें, ताकि वह अपने हाथ पोंछ सके।

- उसके सिर पर टोपी होनी चाहिए, क्योंकि बालों को ढंकी नहीं तो वे उड़कर खाने में जा सकते हैं। उसे बालों से संबंधित कोई बीमारी या इंफेक्शन है तो वह खाने के जरिए आपको प्रभावित कर सकती है।

खुद भी रखें ध्यान : रसोई में इग्जॉस्ट फैन का होना बहुत जरूरी है वरना गैस, धुएं इत्यादि के संपर्क में आकर उसकी आंखों व नाक से पानी बहने लगेगा, जिससे कीटाणु खाने में जाकर आपको हानि पहुंचा सकते हैं।

स्वतंत्रता करें: बेहतर होगा कि थोड़ा पढ़ा-लिखा नौकर रखें ताकि वह मसालों इत्यादि के नाम सही तरह से पढ़ सके और रसोई के सामान की लिस्ट तैयार कर सके। उसे अपने खाने का समय व सभी सदस्यों की पसंद नापसंद अच्छी तरह बता दें। शुरू में जब वह खाना पकाए तो आप स्वयं किचन में मौजूद रहें। ऐसा संभव न हो तो बीच-बीच में उसे चेक करती रहें। आपकी पसंद का खाना वह न बना पाए तो उसे थोड़ा समय दें।

कैसे करें सर्व: किस प्रकार की क्रॉकरी में क्या सर्व करना है, इसकी जानकारी भी उसे जरूर दें ताकि मेहमानों के आने पर आप दिक्कतों से बच सकें। पूरे महीने का खाने का मेन्यू तैयार करके उसे दें। उसमें विकल्प अवश्य रखें ताकि कभी कोई सदस्य बीमार पड़ जाए या अचानक मेहमान आ जाएं तो आपको परेशानी न उठानी पड़े। उसे सब कुछ भली भांति समझाकर सामान की लिस्ट तैयार करें।

जब हो बीमार: अक्सर महिलाएं नौकर पर जरूरत से ज्यादा निर्भर हो जाती हैं। वे यह भी देखना जरूरी नहीं समझतीं कि वह किचन में किस प्रकार काम कर रहा है। उसने किचन की पूर्ण रूप से सफाई की या नहीं, बर्तनों की साफ-सफाई का कितना ख्याल है उसे यदि नहीं, उसके बीमार होने पर भी उसी से ही खाना तैयार करवाया जाता है।

आप अपने मेकअप ब्रश का रखती हैं ध्यान?

अधिकतर महिलाएं तो मेकअप करती हैं और मेकअप ब्रश की मदद से करती हैं। मेकअप ब्रश का इस्तेमाल तकरीबन प्रतिदिन ही किया जाता है पर इसकी सफाई पर ध्यान दिया जाता है या नहीं, यह कहना मुश्किल है। अगर इस ब्रश को साफ सफाई की ओर ध्यान न दिया जाए तो क्या यह हमें या हमारी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है? बिलकुल। इस ब्रश की गंदगी से संक्रमित इंफेक्शन हो सकता है क्योंकि धूल, गंदगी, ऑयल, मेकअप डस्ट इसमें जमा होते जाते हैं जिससे इसमें बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं और बार बार उसी ब्रश के प्रयोग से स्किन इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है।

साफ सफाई हम कैसे कर सकते हैं : ब्रश को एक कटोरी में डाल दें उसमें दो जितनी पानी और एक जितना विनेगर डालें। कुछ देर उसमें ब्रश भीगा रहने दें। फिर ब्रश निकालकर साफ पानी से धो लें। सूखा कर ही ब्रश वापिस रखें। ब्रश की सफाई हल्के हाथों से करें। इसे अधिक मोड़ें नहीं। अपने ब्रश को साफ करने के लिए क्लींजर का प्रयोग भी कर सकती हैं। इससे ब्रश अच्छी तरह से साफ हो जाएगा। शैंपू को पानी में डाल दें और साथ में टोड़ी ऑलिव ऑयल की कुछ बूंदें। ब्रश को इसमें डालकर छोड़ दें फिर इसे साफ पानी से धो दें। हो तो ऑलिव ऑयल फायदा होता है।

अनदेखा मत कीजिए स्टडी रूम की सजावट को

देखा जाए तो स्टडीरूम विशेष रूप से बच्चों का ही कमरा होता है अतः इस कमरे को सजाकर की ओर भी विशेष रूप ध्यान देने की आवश्यकता है। सबसे पहले आप कमरे में फर्नीचर की ओर ध्यान दें। बच्चे के कद आदि के अनुसार ही उसके स्टडी टेबल व चेयर की व्यवस्था करें। बच्चों की किताबें इतनी अधिक होने लगी हैं कि स्टडीटेबल पर सारी किताबें नहीं आतीं, अतः अलग से इसकी व्यवस्था करनी होगी। टेबल के पास ही किताबों का रैक बनवाएं जिसमें किताबें तिरछे आकार में रखें। दराज वाली साइड टेबल बनवाएं जिसमें बच्चे अपने कागजात, मैगजीन, कलर बॉक्स आदि रख सकें। बैठने की व्यवस्था के पश्चात आप रोशनी की व्यवस्था करें। स्टडीरूम में सबसे महत्वपूर्ण बात रोशनी की होती है। स्टडीरूम में आप तेज रोशनी लगाएं। ट्यूब लाइट के साथ अधिक वॉट वाले टेबल लैंप का चयन करें। इसके अलावा ब्रैकेट लाइट, जो बीम चलाने की बनी होती है, फिलहाल वो भी दीवार पर लगाकर कक्ष को शोभा बढ़ा सकते हैं। स्टडी लैंप का जब चयन करें तो बड़े स्टैन्ड वाले लैंप या पीतल या लकड़ी के स्टैंड वाले लैंप शेड का भी उपयोग कर सकते हैं। दीवारों की सजावट भी विशेष मायने रखती है। आप विभिन्न प्रकार के आदर्श महापुरुषों की तस्वीरें लगा कर, कई प्रकार के अच्छे कोटेशन वाले वॉल डेकोरेशन पीस लगा सकते हैं। मिकी माउस, डोनाल्ड डक, हैरी पॉटर आदि के पोस्टर या वॉल साइज पोस्टर्स लगा सकते हैं। साइड टेबल, साइड रैक आदि के ऊपर सजावटी सामान या गुड़िया रख सकते हैं। पर्दों का चयन करते समय भी बच्चों की पसंद का खास ख्याल रखें। कार्टून प्रिंट वाले पर्दे का चयन बच्चों को अधिक प्रिय लगता है। पर्दों को बीच में बांधने के लिए लंबी पूंछ वाले बंदर जिसके हाथ चिपकने वाले होते हैं, उसे पर्दे पर लगा दें। देखने में ऐसा लगे कि बंदर पर्दा पकड़े हुए है। फैंसी फ्रेम वाले फोटो फ्रेम का चयन करें जिनमें बच्चों के ही फोटो या उनके मनपसंद खिलाड़ी या फिर उनके आदर्श की तस्वीर लगा कर स्टडी टेबल पर रखें। यहां अलार्म क्लाक का रहना भी अत्यंत आवश्यक है। यहां जो वॉल क्लाक लगाएं उसमें घंटे की सुई या छोटी घड़ी को व्यवस्था करें। बच्चों को क्या पसंद है, यह भी जानना आवश्यक है। आजकल बाजार में विभिन्न प्रकार के आकृति व आवाज वाले वॉल क्लाक उपलब्ध हैं। लैंप रैक कम, स्टैंड भी उपलब्ध हैं जिसे आप दीवार पर टांग सकते हैं।

उपयोगी सुझाव : टेबल लैंप लें, कांच वाली अलमारी की व्यवस्था करें जिसमें किताबें रखें। कमरा देखने में ऐसा लगे कि यह एक निजी लाइब्रेरी है। मैगजीन रखने की अलग व्यवस्था उचित है। विभिन्न प्रकार पैसों से भरा पैकेज आपके स्टडीरूम को शोभा प्रदान करेगा।

दिमाग को चुस्त रखने के लिए डाइट का होता है खास रोल

शरीर को चुस्त रखना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है दिमाग को भी चुस्त रखना। इन दोनों की चुस्ती से आप जीवन का आनंद ले सकते हैं और दिमागी फैसले कर सकते हैं। दिमाग को चुस्त रखने के लिए डाइट का अहम रोल है। पौष्टिक आहार लेकर और कुछ व्यायाम द्वारा आप अपने दिमाग को एक्टिव और कूल रख सकते हैं।

दो कप चाय या कॉफी लें : हाल ही में शोधकर्ताओं ने माना है कि कैफीन का सेवन करना दिमाग को चुस्त रखता है। दिन में दो कप चाय या दो कप कॉफी को चुस्की आनंद लेते हुए लें। सीमित मात्रा में कैफीन अल्जाइमर के रिस्क को भी कम करती है।

नींद लें पूरी : नींद का पूरा न होना शरीर और दिमाग, दोनों के लिए ठीक नहीं है। जब नींद पूरी नहीं होती, तो शरीर ढीला-ढीला रहता है, साथ ही दिमाग भी सुस्त रहता है। कुछ नया सोचने और करने की क्षमता में कमी आती है। समय पर रात में सोएं और नींद पूरी कर प्रातः जल्दी उठें, ताकि दिन भर आप शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रह सकें।

पौष्टिक आहार का सेवन करें : दिन भर में जो भी खाएं, पौष्टिक खाएं, ताकि न तो शरीर में सुस्ती आए और न दिमाग सुस्त हो। पौष्टिक आहार लेने से दिमाग को एनर्जी मिलती है, जिसका प्रभाव हमारी मानसिक परफॉर्मेंस पर पड़ता है। जो लोग डायटिंग करते हैं, उनके दिमागी कार्यों पर उसका बुरा प्रभाव पड़ता है। भोजन ऐसा लें, जो शरीर और दिमाग को चुस्त रखे। तले हुए भोज्य पदार्थ हमारे शरीर और दिमाग को निष्क्रिय बनाते हैं। थोड़े नट्स, डेयरी प्रोडक्ट्स (दही दूध से बने हुए), फल, सब्जियां, दालों का सेवन नियमित करें।

न लें दवाएं दिमाग चुस्त रखने के लिए : बाजार में मिलने वाले ब्रेन पिल्स का सेवन बिलकुल न करें। इससे आपको साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, ऐसा मानना है शोधकर्ताओं का। बिना मेडिकल एडवाइस के मर्जी से मेमरी बूस्ट चीजों का सेवन न करें।

व्यायाम को बनाएं अपने जीवन का हिस्सा

शोधकर्ताओं के अनुसार अगर आप अपने ब्रेन को लंबे समय तक एक्टिव और हेल्दी बनाए रखना चाहते हैं, तो नियमित व्यायाम करें। कोई भी आउटडोर खेल खेलें, एरोबिक्स एक्सरसाइज करें या ट्रेडमिल पर चलें। प्रातः काल की सैर भी शरीर को तो चुस्त रखती ही है, साथ ही दिमाग को भी तरोताजा बनाए रखती है। चेस, बिंगो, जलतरंग, क्रॉसवर्ड जैसे खेलों से भी दिमाग एक्टिव और हेल्दी बना रहता है।

तेनालीराम के किस्से

गुलाब के फूल

तेनालीराम की पत्नी को गुलाब के फूलों को जुड़े में लगाने का बहुत शौक था। उनको पसंद के फूल केवल राज उद्यान में ही थे, अतः वह बेटे को वहां भेजकर चोरी से एक फूल रोज तुड़वा लेती थी।

तेनालीराम से जलने वाले को जब यह पता चला तो उन्होंने तेनालीराम को महाराज की नजरों से गिराने का निर्णय लिया। उन्होंने उसके फूल चोरी करने का समय नोट कर लिया और जब एक दिन सभा चल रही थी, तब तेनालीराम की मौजूदगी में महाराज से शिकायत कर दी और कहा कि महाराज आपके बगीचे से जो गुलाब के फूल चोरी होते हैं उनका चोर इस समय आपके बगीचे में है यदि इजाजत हो तो पकड़ कर हाजिर करें।

महाराज ने कहा- ठीक है, चोर जो कोई भी है, हमारे सामने हाजिर करो। सभी दरबारी कुछ सैनिकों के साथ बगीचे के द्वार पर आ गए और सिपाहियों को बगीचा घेर लेने का आदेश दिया। वे लोग तेनालीराम कि भी अपने साथ ले आए थे और उन्हें पूरी बात बता दी चुके थे कि वह चोर और कोई नहीं बल्कि आपका बेटा है। कुछ दरबारी इस बात पर बड़ा रस ले रहे थे कि जब तेनालीराम का बेटा चोर बेनकाब में दरबार में हाजिर होगा तो तेनालीराम कि क्या बात होगी(?)। एक दरबारी ने चुटकी ली, क्यों तेनालीराम। अब क्या कहते हो? अरे भाई कहना क्या है?

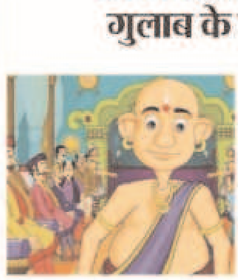

सभी दरबारी कुछ सैनिकों के साथ बगीचे के द्वार पर आ गए और सिपाहियों को बगीचा घेर लेने का आदेश दिया। वे लोग तेनालीराम कि भी अपने साथ ले आए थे और उन्हें पूरी बात बता दी चुके थे कि वह चोर और कोई नहीं बल्कि आपका बेटा है। कुछ दरबारी इस बात पर बड़ा रस ले रहे थे कि जब तेनालीराम का बेटा चोर बेनकाब में दरबार में हाजिर होगा तो तेनालीराम कि क्या बात बनेगी।

एकाएक ही तेनालीराम जोर से चिल्लाए, मेरे बेटे के पास अपनी मां का कहने के लिए गुलाब है। यह सब तो महाराज को जरा देर कि यह बगीचे में नजर करने आया है। वैसे मेरा ख्याल तो यह है कि अपनी मां के लिए ... पौधों कि जड़ें लेने आया होगा न कि गुलाब के फूल चोरी करने आया है। तेनालीराम के बेटे ने बगीचे के अंदर से ये शब्द सुन लिए। उसे सुनाने के लिए ही तेनालीराम ने इतनी जोर से बोला था। वह फौरन समझ गया कि उसका पिता क्या कहना चाहता है, अतः उसने झोली में एकत्रित किए फूल फेंक दिए और कुछ पौधों कि जड़ें उखाड़कर अपनी झोली में रख लिया। फिर बाहर आ गया। जैसे ही वह बाहर आया, वैसे ही दरबारियों के इशारे पर सिपाहियों ने उसे पकड़ लिया और ले जाकर दरबार में पेश किया। महाराज, यह है आपके बगीचे का चोर। तेनालीराम का पुत्र। यह देखिए, अभी भी इसकी झोली में गुलाब के फूल हैं। गुलाब के फूल? तेनालीराम के बेटे ने कैसे गुलाब के फूल। तेनालीराम के बेटे ने अपनी झोली में से सारी जड़ें महाराज के सामने फर्श पर डाल दीं और बोला, मैं तो अपनी मां कि दवा के लिए पौधों की जड़ें लेने आया था। यह देखकर महाराज ने दरबारियों को खूब फटकार लगाई। सभी दरबारी शर्म से सिर झुकाए खड़े सोचते रहे कि गुलाब के फूल जड़ें कैसे बन गए।

माजा च्वालिन्स्का और डायना श्नाइडर सेमीफाइनल में, नंबर-1 सबालेंका फ्रेंच ओपन से बाहर

पेरिस। फ्रेंच ओपन 2026 के महिला एकल वर्ग में सेमीफाइनल की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है। पोलैंड की माजा च्वालिन्स्का और रूस की डायना श्नाइडर ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर पहली बार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई है। खास बात यह रही कि श्नाइडर ने दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को हराकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर किया।

पहली बार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचीं माजा च्वालिन्स्का

पोलैंड की 24 वर्षीय माजा च्वालिन्स्का ने महिला एकल क्वार्टरफाइनल में 22वीं वरीयता प्राप्त अन्ना कालिंस्काया को 7-6(3), 6-3 से हराकर अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कोर्ट फिलिप-शात्रिए पर खेले गए मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी रैलियां और कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन निर्णायक मौकों पर च्वालिन्स्का ने बेहतर खेल दिखाया। उन्होंने मिले आठ ब्रेक प्वाइंट मौकों में से सात को भुनाया, जबकि कालिंस्काया 11 मौकों में सिर्फ पांच बार ही ब्रेक हासिल कर सकीं।

पहले सेट में वापसी के बावजूद नहीं बचीं कालिंस्काया

च्वालिन्स्का ने मुकाबले में शुरुआती गेम गंवाने के बाद लगातार दबाव बनाया और 5-1 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि कालिंस्काया ने शानदार वापसी करते हुए लगातार चार गेम जीतकर स्कोर 5-5 कर दिया। इसके बाद सेट टाई-ब्रेक तक पहुंचा, जहां च्वालिन्स्का ने 7-3 से जीत दर्ज कर बढ़त बना ली। दूसरे सेट में पोलिश खिलाड़ी ने अपने आक्रामक खेल को जारी रखा और कालिंस्काया को वापसी का मौका नहीं देते हुए 6-3 से सेट जीतकर मैच समाप्त कर दिया।

इतिहास रचने के करीब

रोलां गैरों में यह च्वालिन्स्का की लगातार आठवीं जीत रही। इसके साथ वह ओपन एरा में फ्रेंच ओपन महिला एकल के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली केवल दूसरी क्वालिफायर खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले 2020 में नादिया पेडोरोस्का ने यह उपलब्धि हासिल की थी। अब उनके पास ओपन एरा में फ्रेंच ओपन महिला एकल फाइनल तक पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर खिलाड़ी बनने का मौका है।

डायना श्नाइडर ने किया बड़ा उलटफेर, नंबर-1 सबालेंका बाहर

दिन के दूसरे क्वार्टरफाइनल में रूस की 25वीं वरीयता प्राप्त डायना श्नाइडर ने दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को 3-6, 7-5, 6-0 से हराकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया। 22 वर्षीय श्नाइडर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में खेल रही थीं, लेकिन उन्होंने दबाव को बखूबी संभालते हुए अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

हार के करीब पहुंचकर की शानदार वापसी

सबालेंका ने पहला सेट 6-3 से जीतने के बाद दूसरे सेट में 4-1 की बढ़त बना ली थी। एक समय वह मैच जीतने से केवल दो अंक दूर थीं, लेकिन यहीं से श्नाइडर ने मुकाबले का रुख बदल दिया। रूसी खिलाड़ी ने लगातार आक्रामक खेल दिखाते हुए दूसरे सेट में वापसी की और 7-5 से सेट जीतकर मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचाया। तीसरे सेट में श्नाइडर पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने सबालेंका को कोई मौका नहीं दिया और 6-0 से सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सबालेंका की गलतियां बनी हार का कारण

मैच के दौरान सबालेंका ने कुल 57 अनफोर्स्ड एरर किए, जिनमें से 17 गलतियां केवल तीसरे सेट में हुईं। यह पहली बार था जब उन्होंने किसी मैच में 6-0 से कोई सेट गंवाया। दूसरी ओर, श्नाइडर ने 3-6, 1-4 से पिछड़ने के बाद अगले 13 में से 12 गेम जीतकर शानदार वापसी का नमूना पेश किया।

करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि

यह टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ श्नाइडर की 16 मुकाबलों में दूसरी जीत रही। इससे पहले उन्होंने 2024 टोरंटो टूर्नामेंट में कोको गॉफ को हराया था। साथ ही उन्होंने लगातार छह ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचने का सबालेंका का सिलसिला भी समाप्त कर दिया।

अब सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगी च्वालिन्स्का और श्नाइडर

सबालेंका की हार के बाद महिला एकल सेमीफाइनल का एक मुकाबला तय हो गया है, जहां माजा च्वालिन्स्का और डायना श्नाइडर आमने-सामने होंगी। दोनों खिलाड़ी पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंची हैं और अब उनके सामने पहली बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बनाने का सुनहरा अवसर होगा। फ्रेंच ओपन 2026 में दोनों युवा खिलाड़ियों की शानदार यात्रा ने महिला टेनिस को एक नया चेहरा दिया है और अब निगाहें इस रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले पर टिकी होंगी।

मेंस अंडर-18 एशिया कप

आशीष की हैट्रिक, चीनी ताइपे को 13-1 से रौंदकर सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय टीम

नई दिल्ली। मेंस अंडर-18 एशिया कप 2026 के अपने आखिरी पूल ए मैच भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने चीनी ताइपे के खिलाफ 13-1 से बड़ी जीत दर्ज की। भारत को दमदार जीत दिलाने में आशीष तानी पूर्ति की हैट्रिक का अहम योगदान रहा। इसी के साथ भारत ने शुक्रवार को खेले जाने वाले सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। भारत ने पूल चरण में कजाकिस्तान, कोरिया और चीनी ताइपे के खिलाफ जीत दर्ज की, जबकि मेजबान जापान से उसे हार का सामना करना पड़ा। इस प्रदर्शन के आधार पर भारत ने चार मुकाबलों में कुल 9 अंक हासिल कर लिए हैं।

भारत का शुरुआत से रहा दबदबा

बुधवार को जापान के काकामिगहारा में आयोजित मुकाबले में आशीष तानी पूर्ति (27%, 35%, 42%) ने हैट्रिक लगाई, जबकि गाजी खान (40%, 44%), सिद्धार्थ बेन (30%, 52%) और राहुल यादव (20%, 54%) ने दो-दो गोल किए। इनके अलावा, करण गौतम (7%), प्रेमचंद सोय (11%), कप्तान केतन कुशवाहा (13%) और वरिंदर सिंह (50%) ने एक-एक गोल किया।

मैच की शुरुआत से ही भारत ने अपने इरादे साफ कर दिए थे। सातवें मिनट में करण ने भारत को मिले पहले पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मैच का खाता खोला। इसके बाद प्रेमचंद (11') ने एक फील्ड गोल करके भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया, जबकि कप्तान कुशवाहा (13') ने मुकाबले का तीसरा गोल दागकर पहले क्वार्टर के अंत तक भारत को मजबूत स्थिति में ला दिया। दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा कायम रहा। राहुल यादव (20') ने चौथा गोल किया, जिसके बाद पूर्ति (27') ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 5-0 कर दिया। हाफ-टाइम से ठीक पहले सिद्धार्थ (30') ने एक और फील्ड गोल करके भारत के लिए दूसरे क्वार्टर को बेहद सफल बनाया। हालांकि, चीनी ताइपे की तरफ से यॉग-ज्यून झांग (30+) ने हाफ-टाइम का हूटर बजने से ठीक पहले पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 6-1 कर दिया।

तीसरे और चौथे क्वार्टर में क्या-क्या हुआ?

ब्रेक के बाद भारत ने आक्रामक अंदाज जारी रखा। 35वें मिनट में पूर्ति ने एक और सेट-पीस से अपना दूसरा गोल किया, जिससे स्कोर 7-1 हो गया। फिर खान (40') ने भी कमाल दिखाया और एक पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की बढ़त को और बढ़ा दिया।

आशीष (42') ने एक और पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी हैट्रिक पूरी की, जबकि गाजी खान (44') ने अपना दूसरा गोल किया। भारत 10-1 की विशाल बढ़त के साथ आखिरी क्वार्टर में पहुंचा। चौथे क्वार्टर में भी भारत ने अपना दबाव बरकरार रखते हुए सेट-पीस से सटीक खेल दिखाया। वरिंदर (50') ने एक पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जिसके बाद सिद्धार्थ (52') ने मैच का अपना दूसरा गोल किया। यादव (54') ने मैच का अपना दूसरा गोल करके भारत के लिए 13-1 की जबरदस्त जीत सुनिश्चित कर दी।

फ्रेंच ओपन में हार के बाद टूटीं विश्व नंबर-एक सबालेंका

पेरिस(ए)। फ्रेंच ओपन 2026 में दुनिया की नंबर-एक महिला टेनिस खिलाड़ी अरीना सबालेंका का अभियान बेहद निराशाजनक अंदाज में समाप्त हुआ। क्वार्टर फाइनल में उन्हें 25वीं वरीयता प्राप्त डायना श्नाइडर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबालेंका बेहद निराश नजर आईं और उन्होंने संन्यास तक की बात भी कर दी। इससे फैंस डर गए हैं।

श्नाइडर से हारीं सबालेंका

दरअसल, डायना श्नाइडर के खिलाफ सबालेंका ने शानदार शुरुआत की थी और एक समय वह जीत से सिर्फ दो अंक दूर थीं, लेकिन इसके बाद मुकाबले का पूरा रुख बदल गया।सबालेंका 6-3, 5-2 की बढ़त पर थीं, लेकिन फिर लगातार 10 गेम गंवा बैठीं। निर्णायक सेट में उन्हें 6-0 से हार का सामना करना पड़ा और उनका फ्रेंच ओपन खिताब जीतने का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया।

हार के बाद टेनिस छोड़ने की बात

हार के बाद उन्होंने कहा, मेरे दिमाग में अभी कोई विचार नहीं है, कोई भावना नहीं है। मैं इस समय टेनिस छोड़ना चाहती हूं। कुछ दिनों बाद देखेंगी क्या होता है। उम्मीद है कि मैं मानसिक रूप से फिर से सही रास्ते पर लौट पाऊंगी। यह बयान सुनकर मौजूद पत्रकार भी हैरान रह गए। आमतौर पर अपने जुझारू रवैये के लिए पहचानी जाने वाली सबालेंका इस बार पूरी तरह टूटी हुई दिखीं। मानसिक रूप से अंधेरे दौर में चली गईं थींसबालेंका ने स्वीकार किया कि मैच के दौरान वह मानसिक रूप से बुरी तरह बिखर गई थीं और खुद को संभाल नहीं सकीं। उन्होंने कहा, मुझे याद नहीं कि आखिरी बार कब मैंने लगातार 10 गेम गंवाए थे। मुझे लगता है कि मैं मानसिक रूप से बहुत गहरे और अंधेरे गड्ढे में चली गई थी और वहां से वापस नहीं आ सकी। मैच के दौरान उनकी निराशा साफ दिखाई दे रही थी। तीसरे सेट में एक अंक गंवाने के बाद उन्होंने कोर्ट पर खड़े होकर जोर से चीख भी लगाई थी। पूरे मुकाबले में उन्होंने 57 अनफोर्स्ड एरर किए, जिसका फायदा श्नाइडर ने पूरी तरह उठाया।

गुस्सा निकालने के लिए जाएंगी रेज रूम

जब उनसे पूछा गया कि वह इस हार से कैसे उबरेंगी, तो शुरुआत में उनके पास कोई जवाब नहीं था। हालांकि बाद में उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि वह अपना गुस्सा निकालने के लिए रेज रूम जाने का सोच रही हैं। सबालेंका ने कहा, %जो हमें नहीं मारता, वह हमें और मजबूत बनाता है। किसी समय मैं इस स्थिति को समझ लूंगी और पहले से ज्यादा मजबूत होकर लौटूंगी। अभी मुझे एक तरीका सूझा है, ऐसी जगह जाना जहां चीजों को तोड़-फोड़ सकते हैं। शायद मैं पूरा दिन वहीं बिताऊंगी और सब कुछ तोड़ दूंगी। हो सकता है इससे मदद मिले, हो सकता है नहीं।

खराब फॉर्म की वजह से छिन सकती है सूर्यकुमार यादव की कप्तानी

नई दिल्ली (ए)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने बीसीसीआई के एक सूत्र के हवाले से बताया कि, हालिया समय में खराब प्रदर्शन और निरंतरता की कमी के कारण चयनकर्ता टी20 टीम की कप्तानी में बदलाव पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। यह खबर भारत के आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम चयन से ठीक पहले सामने आई है। बीसीसीआई अब 2028 टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए भविष्य की टीम तैयार करने की दिशा में काम कर रहा है और इसी रणनीति के तहत नए कप्तान की तलाश शुरू हो गई है। टी20 कप्तानी की दौड़ में श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा के नाम सबसे आगे बताए जा रहे हैं। दोनों खिलाड़ियों ने हाल के महीनों में शानदार प्रदर्शन किया है और टीम प्रबंधन का भरोसा भी हासिल किया है। श्रेयस अय्यर को उनके नेतृत्व अनुभव और दबाव में खेलने की क्षमता के कारण मजबूत उम्मीदवार माना जा रहा है। वहीं, युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को भविष्य के कप्तान के रूप में देखा जा रहा है, जिन्होंने सीमित अवसरों में अपनी प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया है।

विनेश फोगाट मामले में WFI को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत, एशियाड ट्रायल विवाद पर याचिका बंद

नई दिल्ली (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को विनेश फोगाट को एशियाई खेल 2026 चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर WFI की याचिका को निष्प्रभावी मानते हुए बंद कर दिया। कोर्ट ने कहा कि ट्रायल पहले ही पूरे हो चुके हैं, इसलिए मामले पर आगे सुनवाई की आवश्यकता नहीं है। हालांकि शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि याचिका बंद करने का मतलब हाईकोर्ट की टिप्पणियों से सहमति नहीं माना जाएगा और सभी कानूनी मुद्दे भविष्य के लिए खुले रहेंगे।

ट्रायल पूरे होने के बाद बंद हुई सुनवाई

न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि जिस चयन प्रक्रिया को लेकर विवाद था, वह अब पूरी हो चुकी है। ऐसे में विशेष अनुमति याचिका स्वतः ही निष्प्रभावी हो गई है। पीठ ने आदेश में कहा, बाद के घटनाक्रमों को देखते हुए यह विशेष अनुमति याचिका निष्प्रभावी हो गई है। इस न्यायालय के आदेश को हाईकोर्ट के निष्कर्षों और टिप्पणियों की पुनर्पुष्टि के रूप में नहीं देखा जाएगा। सभी मुद्दे खुले रखे जाते हैं।

हाईकोर्ट की टिप्पणियों पर डब्ल्यू की आपत्ति

सुनवाई के दौरान WFI की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डी.एन. गोबुरधुन ने दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा की गई कुछ प्रतिकूल टिप्पणियों को हटाने की मांग की। उन्होंने दलील दी कि हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत देते समय महासंघ की मंशा पर सवाल उठाने वाली टिप्पणियां की थीं, जिससे लंबित कार्यवाही प्रभावित हो सकती है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इन टिप्पणियों को हटाने से इनकार कर दिया।

कैसे शुरू हुआ था विवाद?

मामला तब शुरू हुआ था जब WFI ने अपनी संशोधित चयन नीति के तहत विनेश फोगाट को एशियाई खेल 2026 ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए अयोग्य माना था। इसके बाद विनेश ने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। पिछले महीने दिल्ली हाईकोर्ट की खंडपीठ ने अंतरिम आदेश देते हुए विनेश को ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी थी। अदालत ने कहा था कि मातृत्व को किसी खिलाड़ी को पेशेवर अवसरों से वंचित करने का आधार नहीं बनाया जा सकता। हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना था कि WFI की नीति में मातृत्व अवकाश और प्रसव के बाद रिकवरी अवधि को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया।

ट्रायल में नहीं मिली सफलता

हालांकि कानूनी लड़ाई में राहत मिलने के बावजूद विनेश फोगाट का मैदान पर वापसी का प्रयास सफल नहीं हो सका। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित चयन ट्रायल में उन्होंने महिला 53 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लिया। WFI ने पहले उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग तक सीमित रखा था, लेकिन बाद में फैसला बदला गया। सेमीफाइनल में विनेश को मीनाक्षी गोयत से 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ वह जापान के आइची-नागोया में होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकीं।

बालाजी और डेमोलिनर का फ्रेंच ओपन में सफर समाप्त, क्वार्टर फाइनल में मिली शिकस्त

पेरिस (ए)। भारतीय टेनिस खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी और उनके ब्राजीली जोड़ीदार मार्सेलो डेमोलिनर का फ्रेंच ओपन 2026 पुरुष युगल अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। दोनों को दूसरे वरीयता प्राप्त जोड़ी हैरी हेलियोवारा और हेनरी पैटन के खिलाफ सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा।

क्वार्टर फाइनल में मिली हार

कोर्ट सिमोन-मैथ्यू पर खेले गए मुकाबले में इंडो-ब्राजीली जोड़ी बालाजी-डेमोलिनर 3-6, 4-6 से पराजित हुई। यह मैच एक घंटे 17 मिनट तक चला। दूसरी वरीयता प्राप्त हेलियोवारा और पैटन ने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

यादगार रहा बालाजी का अभियान

हार के बावजूद बालाजी और डेमोलिनर के लिए यह टूर्नामेंट काफी यादगार रहा। दोनों ने तीसरे दौर में छठी वरीयता प्राप्त जर्मन जोड़ी केविन क्रॉविट्ज़ और टिम पुट्ज़ को 7-5, 6-4 से हराकर बड़ा उलटफेर किया था। बालाजी के करियर में यह ग्रैंड स्लैम स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक माना जा रहा है। क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना उनके लिए डबल्स सर्किट में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

जूनियर वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन

भारतीय खिलाड़ी अर्नव पापरकर का लड़कों के एकल वर्ग में सफर तीसरे दौर में समाप्त हो गया।

वहीं माया राजेश्वरन रेवती लड़कियों के एकल वर्ग के दूसरे दौर में ही बाहर हो गई थीं। हालांकि, पापरकर की चुनौती अभी लड़कों के युगल वर्ग में जारी है। वह अपने थाई जोड़ीदार कुनानन पंतारातोर्न के साथ शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी लुकस गुटे मिगुएल (ब्राजील) और जिगा सेस्को (स्लोवेनिया) का सामना करेंगे।

अब तक क्या-क्या हुआ?

एन श्रीराम बालाजी और मार्सेलो डेमोलिनर फ्रेंच ओपन पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में हारे।

दूसरी वरीयता प्राप्त हेलियोवारा-पैटन ने 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की।

बालाजी-डेमोलिनर ने तीसरे दौर में छठी वरीयता प्राप्त जर्मन जोड़ी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

अर्नव पापरकर लड़कों के एकल से बाहर, लेकिन युगल में अभी भी मुकाबले में बने हुए हैं।

माया राजेश्वरन रेवती लड़कियों के एकल के दूसरे दौर में हारकर बाहर हुईं।

विश्व नंबर-एक के आगे फिर बेबस दिखीं सिंधू यंग से हारकर इंडोनेशिया ओपन से हुई बाहर

जकार्ता (ए)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का इंडोनेशिया ओपन 2026 में सफर समाप्त हो गया। उन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर-एक और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन एन से यंग ने सीधे गेम में 21-17, 21-14 से हराया। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब सिंधू को एन से यंग के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। जकार्ता में खेले गए मुकाबले में पीवी सिंधू ने कुछ मौकों पर शानदार खेल दिखाया, लेकिन वह उसे पूरे मैच में बरकरार नहीं रख सकीं। दक्षिण कोरिया की स्टार खिलाड़ी एन से यंग ने महत्वपूर्ण मौकों पर बेहतर नियंत्रण दिखाते हुए 21-17, 21-14 से जीत दर्ज की।

लगातार दूसरे सप्ताह मिली हार- सिंधू को पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी एन से यंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में यह लगातार दूसरा टूर्नामेंट है, जिसमें दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी ने भारतीय स्टार की चुनौती खत्म की है।

एन से यंग के खिलाफ रिकॉर्ड और खराब- इस हार के साथ सिंधू का एन से यंग के खिलाफ रिकॉर्ड और निराशाजनक हो गया है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक हुए मुकाबलों में सिंधु को लगातार 10वीं हार झेलनी पड़ी है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि भारतीय खिलाड़ी अभी तक विश्व नंबर-एक के खिलाफ एक भी मुकाबला जीतने में सफल नहीं हो सकी हैं।

सिंधू के लिए आगे की राह- पिछले कुछ वर्षों में चोटों और फॉर्म में उतार-चढ़ाव से जूझ रही सिंधू के लिए यह सीजन काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि इंडोनेशिया ओपन में उनका अभियान जल्दी समाप्त हो गया, लेकिन आने वाले बड़े टूर्नामेंटों में वह वापसी की उम्मीद के साथ उतरेंगी।

सोलह दूनी आठ
नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम | याज्ञवल्क्य मिश्रा

अजीब दास्ताँ है ये

सूबे में एक स्टेट सर्विस के साहब के साथ अजीबोग़रीब कांड हो लिया है। साहब इस क़दर व्यथित हैं कि, उन्होंने भी दिलचस्प सत्याग्रह की राह पकड़ी है। मसला ये हुआ है कि,साहब जिस पिछली जगह पोस्टेड थे,वहां से जब नई जगह आए तो मकान मिला नहीं इसलिए मेस में रहने लगे। अब मकान नहीं है तो सामान कहां रखते ।इसलिए सामान पुरानी जगह पर रह गया। साहब ने यह किया कि सामान एक अनुपयोगी कमरे में रख ताला लगा दिया। मसला तब सितम का हो गया जब उसी पुरानी जगह से साहब को एएसआई ने फोन खड़काया और कहा– ह्लआपका सामान ट्रक में रख दिए हैं कहां भेजना है बताओ ।ह्व अब सामान से भरा ट्रक साहब के वतर्मान तैनाती स्थल पर आ गया है लेकिन साहब ने ग्रुप पर लिखा है कि सारा सामान ट्रक में ही रहने दूँगा नहीं उतारूँगा। साहब को ग़ुस्सा ये ही नहीं है कि बहुत अजीब ढंग से सामान भेजा गया। साहब का सवाल ये है कि ताला तोड़े और सामान को बगैर सूचीबद्ध किए भेज दिए ।साहब को दुख ये भी है कि ये आनन फानन किसके आदेश से किया गया इसकी भी जानकारी नहीं है। साहब का सवाल ये भी है कि अतिक्रमण को खाली कराने के लिए भी नोटिस देते हैं,यहाँ एक एडिशनल एसपी स्तर के अफसर के साथ एएसआई ने सीधे फोन ठोका और ट्रक में सामान रवाना कर दिया। बता देते तो ताला तोड़ना नहीं पड़ता ।साहब चाभी लेकर खुद ही सामान ले जाने की जुगत कर लेते।

आवश्यकता अविष्कार की जननी है

राज्य पुलिस प्रशासनिक सेवा के अफसरों में इस बात को लेकर गंभीरता से चिंतन मनन हो रहा है कि,बेइज़्जती की भी हद हो रही है। मसला उन्हीं एडिशनल एसपी साहब के विस्तृत व्हाट्सएप मैसेज से निकला है। एक साहब ने ग्रुप में लिखा है कि,ह्लपटवारी पर कुछ हो तो पूरे पटवारी संघ लामबंद होते हैं ।नायब तहसीलदार की ताक़त देखिए समूचा संघ काम रोक दिया। और एक हमारा हाल देखिए,रोज कुछ न कुछ घटना होते ही रहती है ।ह्व साहब ने लिखा है –ह्लऐसे काम नहीं चलेगा और ना ऐसे यूनियन चलेगी। सब व्हाट्सएप ग्रुप में चलता है फिल्ड में कुछ हासिल नहीं होता ।ह्व पीएचक्यू के साहबान को देखना चाहिए,लेकिन वो भी भला क्या ही देखेंगे। पूरे देश में जितनी दुर्गति इस राज्य के आईपीएस की है वो अपनी बचाएँ या दूसरे को कहें कि वो लुंगी लपेट लो। वैसे अपने राम का मानना है कि,इस बहाने अगर स्टेट पुलिस के गेजेटेड अफसरों की एका हो जाए और वो भी कुछ कर दिखाएँ तो सुशासन की सार्थकता ही होगी।

हाउ क्यूट

मैदानी छत्तीसगढ़ से एक जबर सुशासन वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो एक शराब दुकान के खुलने का है जिसमें बीजेपी की महिला जिला पंचायत सदस्य और जनपद सभापति विधिवत नारियल फोड़ कर शुभारंभ कर रहे हैं। इस दौरान बीजेपी कार्यकर्ताओं की भीड़ भी है। इसी गांव से सरकार को पत्र भेजकर दारु दुकान खोले जाने पर थैंक्यू भी कहा गया है ।पत्र में लिखा गया है अब सहजता से दारु मिल रही है, सुशासन सरकार आपका धन्यवाद। सनद रहे कि यह वही गांव है जहां ग्रामीणों ने सहकारी बैंक शाखा खोलने आंदोलन किया था,बैंक तो नहीं मिला लेकिन शराब दुकान जरुर मिल गई। इसी को कहते हैं सुशासन बाबू की सुशासन सरकार का हाउ क्यूट स्टेप।

साहब का तराजू

एक ज़िले में बस में गांजा पकड़ाया। तस्कर पूरी बस को बुक कर कटनी ले जा रहे थे ।बस कुछ अजीबो गरीब तरीके से पकड़ा गई। करीब 8–9 क्विंटल गांजा धरा गया। लेकिन अब इसमें साहब की आलोचना निंदा हो रही है। साहब को लेकर यह कहा जा रहा है बस मालिक को बचा लिए ।अपने राम का मानना है कि, नीलम हो या पन्ना कोई भी बस मालिक हो। उसे साहब ने छोड़ा ही नहीं क्योंकि पकड़ा ही नहीं, तो बचाने का सवाल नहीं उठता। अभी मुस्तैद पुलिस पूरी मुस्तैदी से ड्रायवर को तलाश रही है,क्योंकि पुलिस के हिसाब से वही असल मुजरिम है। वो ड्राइवर इतना सक्षम था कि बस बुक कर बगैर परमिट कटनी रेंग रहा था ।साहब ने अगर ये माना तो गलत क्या है। देखिए गुजरात में एक पोर्ट है। वहां को लेकर भी चिल्लम चोट मचती है कि अलांग बलांग माल सामान पकड़ा रहा या छोड़ा जा रहा है। वहां गलती से कोई पकड़ाता है तो कभी कोई बड़ा ना

सिस्टम

सीतापुर के विधायक और नायब तहसीलदार के बीच विवाद में सिस्टम की सफलता पर वारी वारी जाउं वाला मामला है। देखिए नायब साहब के खिलाफ एफआईआर मामले में पुलिस को जूड़ीताप का बोखार धर लिया है। हालांकि शनिवार को नायब साहब थाने गए और उन्हें फौरन से पेश्तर मुचलके पर रिहा कर दिया गया ।यह ताकीद भी रही कि खबर बाहर ना आए ।इसे ही सिस्टम का पॉवरफुल होना कहते हैं। अब ऐसे ही हवा हवाई तो स्टेट रेवेन्यू ऑफि सर हड़ताल पर गए नहीं थे। ये सिस्टम का सपोर्ट था। धमक ये भी देखिए कि,जब संघ के लोग वापस काम पर आए तो पत्र जारी कर बता गए हैं कि विधायक पर कार्यवाही नहीं हुई तो फिर हड़ताल पर चले जाएंगे। अब ऐसे में एक्स पैरामिलिट्री संगठन प्रधानमंत्री को पत्र नहीं लिखेगा तो बेचारा और कहां लिखेगा। वैसे एक पत्र मितानिन संघ का भी तैर रहा है। लेकिन अपन मानते हैं कि सिस्टम ही सब कुछ है, और वह भी सुशासन बाबू की सुशासन सरकार का सिस्टम है तो फिर तो कहना ही क्या है। लिखते रहें कोई प्रधानमंत्री को पत्र या कोई मितानिन समूह ।वैसे यह देखना भी दिलचस्प है कि,बीजेपी संगठन भी खेमा बनकर विधायक के साथ यूँ खड़ा है,मानों सरकार विरोधी दल की हो। खैर,मामला वही है जिसे कहते हैं –सिस्टम।

प्रीविलेज मोशन

छत्तीसगढ़ के धरती पकड़ और विकट तीखे तेवर वाले सांसद जी के निशाने पर छत्तीसगढ़ का ही एक आईएएस आ गया है ।इस अखिल भारतीय सेवा स्तर के ह्लपब्लिक सर्वेंटह्व को लेकर शोहरत है कि,ठेंगे से किसी की सुनता नहीं। लेकिन सांसद जी के साथ भी यही है कि,जब वो कमिटमेंट कर लेते हैं तो खुद की भी नहीं सुनते। मसला किसी तीखी बहस से उत्पन्न हुआ है। अफवाह है कि यह मसला विशेषाधिकार हनन का मसला बन कर संसद की समिति के पास जाने ही वाला है,या कि जा चुका है ।विशेषाधिकार हनन का मसला ऐसा होता है कि यदि गंभीरता से कोई जुट जाए तो कैरियर का हरा भरा खेत हमेशा के लिए बंजर कर देता है। लेकिन बांकेलाल ने सहाफी को बताया है कि ऑल इंडिया सर्विस के ह्लसरकारी नौकरह्व इतने भी हल्के नहीं है। इस नस्ल के सभी सरकारी नौकर किसी साथी के फँसने पर सारे कौरव भाई भाई बनकर बचाने में जुटते हैं तो कोई कुछ बिगाड़ नहीं पाता है। लेकिन सांसद जी को जानने वाले कहते हैं वो तो यही मानते हैं कि युद्ध भीषण होना चाहिए तब ही जीत स्वर्णिम होती है।

वो क़ि स्मत का साँड़ है और आप ..!

भिलाई विधायक देवेंद्र यादव को देखकर समझ आता है कि, क़ि स्मत का साँड़ होना किसे कहते हैं। जब पंगा होता है या पंगे में अगला फँसता है तो और बेहतर हीरो बनकर सामने आता है। जेल यात्रा के पहले और बाद के देवेंद्र को देख लीजिए। पहले से राहुल और उनकी टीम के विश्वस्त देवेंद्र जेल के बाद और दुलारे हो लिए। अब बिलासपुर का मसला लीजिए। नीट का मसला वो है जिस पर राहुल पूरी आक्रामकता से लगातार सवाल कर रहे हैं। इस मुद्दे पर एनएसयूआई के नेशनल प्रेसिडेंट ने बिलासपुर में धरना घेराव किया। देवेंद्र पूरी ताक़त से साथ थे। सारा मसला ठीक था। लेकिन आंदोलन को नेशनल लेवल दिया पुलिस ने। तेज पानी के बाद लाठीचार्ज। काँग्रेस की नेशनल टीम ने जमकर वीडियो पोस्ट किए और उतने ही फोन देवेंद्र के पास आए। अब जरा देखिए कि बाक़ी दिग्गज नेताओं ने क्या किया। कोई नहीं गया। पीसीसी चीफ बैज का तो खैर कार्यक्रम भी जारी हुआ लेकिन वह भी नहीं पहुंचे। ये भी ठीक है। यूथ के सामने स्टूडेंट के सामने अगर यही स्थापित होना है कि लीडर तो बस देवेंद्र है जो इन मुद्दों पर लड़ता है तो यह तो देवेंद्र की क़ि स्मत का साँड़ होना ही हुआ न। अब बाक़ी नेता देखें उनकी क़ि स्मत का वो खुद क्या हाल कर रहे हैं ।वैसे जिस जिला का यह मामला है वहां के एसपी जिस सियासत वाले की दुर्गति करते हैं वह तरक़्क़ी गजब करता है। कोई अफवाह उड़ा रहा है कि, बीते किसी दौर में साहब एक नेता जी को जेल ठेल दिए थे बाद में वो नेता जी सीएम ही बन गए।

भयंकर और भयानक

छत्तीसगढ़ में जिस ओर जाईए वहां अगर कुछ है तो सुशासन है। आपको याद होगा इसी कॉलम में सहाफी दो तीन बार लिख चुका है कि जो कहीं नहीं है वो भी सुशासन है और जो है भले वो जैसा भी है वह भी सुशासन है। क्योंकि जो भी है उसे ही सुशासन मानना है। अब सहाफी के सरकार के भक्ति भाव से लहालोट इस बात से भी आगे खड़े कुछ पीर फक़ीर हैं। अब वो लोग पीर फक़ीर औलिया हैं तो भला सहाफी की बात को क्यों दोहराएँगे। वो दो नए शब्द सुशासन का प्रभाव बताने के लिए उपयोग में लाते हैं। पहला है भयंकर और दूसरा है भयानक। याने इन पीर फक़ीर औलिया सिद्ध संतों से कोई पूछता है कि ह्लसर कैसा चल रहा है सुशासनह्व तो जवाब में ये कौम कहती है –अरे मत पूछो..एकदम भयानक..एकदम भयंकर सुशासन चल रहा है। अब चुंकि ये कहने वाले पीर फकीर औलिया सिद्ध संत हैं तो उनकी लकीर पर अवाम को चलना चाहिए। आखिर है तो राह और बात ईमान की।

भिलाई में पिंक मैराथॉन 3.0 का भव्य आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

टीम केसरिया भिलाई की ओर से सिविक सेंटर पार्किंग में रविवार को पिंक मैराथॉन 3.0 का आयोजन उत्साह के साथ संपन्न हुआ। मैराथॉन में 1800 से अधिक महिलाओं और युवतियों ने भाग लेकर स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और सक्रिय जीवनशैली का संदेश दिया।

हरी झंडी दिखाकर हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन और हरी झंडी दिखाकर किया। विभिन्न आयु वर्ग की प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ दौड़ में हिस्सा लिया। आयोजन स्थल पर जुम्बा, फिटनेस और अन्य एक्टिविटी ने सभी का मन मोह लिया। प्रतिभागियों को निःशुल्क टी–शर्ट और कैप भी दी गईं।
उद्देश्यः स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आयोजक रोहन सिंह, ध्रुव पाण्डेय, राहुल गजभिये, राहुल दीक्षित, रोहित सिंह, अभिषेक परिहार, शेखर शाह, वैभव सिंह और नमन चंद्राकर ने बताया कि पिंक मैराथॉन का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और सक्रिय जीवनशैली के लिए प्रेरित करना है।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विनीता पाण्डेय, चम्पा चंद्राकर, डॉ. मानसी गुलाटी, डॉ. सविता ललित मोहन, सुमन कंजोजिया, सोनाली चक्रवर्ती, दिव्या भसीन, स्मिता गोस्वामी और संध्या वर्मा शामिल हुईं।
आयोजन को सफल बनाने में प्रशासन, मीडिया, सहयोगी संस्थाओं, प्रायोजकों और स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा। टीम केसरिया भिलाई ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों के प्रति आभार जताया।

कांग्रेस नेता निकिता मिलिंद ने परिवहन विभाग पर लगाए गंभीर आरोप

दुर्ग। दुर्ग शहर जिला कांग्रेस कमेटी की महामंत्री निकिता मिलिंद ने छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग के कमिश्नर मंत्री पर हावी हैं और यह अफसरशाही का जीता जागता उदाहरण है। निकिता मिलिंद ने आरोप लगाया कि परिवहन विभाग की बहुप्रतीक्षित तबादला सूची जारी होने से पहले ही उसे रुकवाने के लिए एप्रोच और पहुंच का दौर शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि पाटेकोहरा चेकपोस्ट प्रभारी, दुर्ग उड़नदस्ता प्रभारी और रायपुर उड़नदस्ता प्रभारी अपने रसूख के चलते तबादला सूची जारी नहीं होने दे रहे हैं। इन मलाईदार पोस्टिंग्स के लिए राजनीतिक सिफारिशों और स्थानीय स्तर के रसूख का इस्तेमाल किया जा रहा है।

रसोई गैस के बढ़ते दाम गृहणियों पर कहर : कांग्रेस नेता राहुल शर्मा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के महामंत्री राहुल शर्मा ने केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि रसोई गैस की कीमतों में भारी वृद्धि कर भाजपा सरकार ने गृहणियों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। महंगाई चरम सीमा पर है और जनता त्रस्त है। राहुल शर्मा ने कहा कि पिछले 15 दिनों में कई बार पेट्रोल–डीजल के रेट बढ़ाए गए हैं। इससे राशन सहित दैनिक जरूरत की चीजें महंगी हो गई हैं। सराफा बाजार का भी बुरा हाल है। जमीन की गाइडलाइन दरों से व्यापारी और जनता उबर नहीं पाई है। व्यवसाय ठप पड़ा है और नई भर्तियां बंद हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। महिलाएं सुरक्षा मांग रही हैं। पेपर लीक से 20 लाख छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है जिसे रोकने में भाजपा सरकार नाकाम रही। कांग्रेस के समय बनाए गए संसाधनों को निजी हाथों को बेचा जा रहा है। सरकारी स्कूलों की फीस बढ़ा दी गई है।
शर्मा ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार 12 साल से देश की जनता के विश्वास के साथ कुठाराघात कर रही है। घोटाले और पेपर लीक अब आम बात हो गई है। जनता महंगाई से परेशान है लेकिन सरकार वसूली में लगी है। उन्होंने कहा कि इसका जवाब आने वाले समय में जनता देगी।

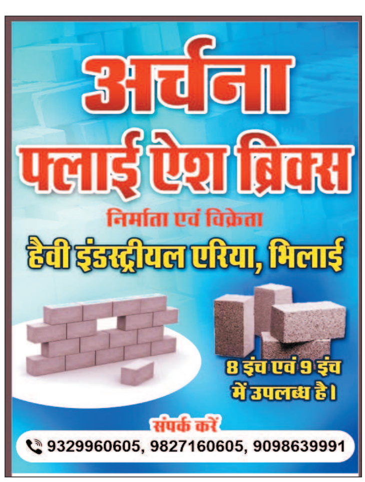

श्री साईं नाथ जन सेवा समिति ने बांटे नि :शुल्क पौधे

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्री सांई नाथ जन सेवा समिति, भिलाई (छत्तीसगढ़) द्वारा अंबेडकर चौक, पावर हाउस, भिलाई में राहगीरों एवं आम नागरिकों को निःशुल्क पौधों का वितरण किया गया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने लोगों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में निःशुल्क 40 पौधे वितरित किए गए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। नि शुल्क पौधा वितरण एवं जागरूकता कार्यक्रम में समाज को प्रदूषण से बचाओ." यह संदेश हर व्यक्ति प्रकृति की रक्षा में अपनी भूमिका निभा सके। इस नि शुल्क पौधा वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. के चिरंजीवुलू, के उमाशंकर राव, एम पापाराव, सीएच अप्पलस्वामी, जी माधव राव, अनमोल, पी भरत, एल चरण राज और धीरज आदि उपस्थित हुए।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100